



Brij Rai

12 Mar 2018

02:10 AM

Cooch Bihar

Model: Web-KundliPhal

Order No: 121190801

शुद्धभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তিথি _____: 11-12/03/2018
দিন _____: রবি-সোমবার
জন্ম সময় _____: 02:10:00 ঘন্টা
ইন্ড _____: 50:59:58 ঘটা
স্থান _____: Cooch Bihar
রাজ্য _____: West Bengal
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 26:18:00 উত্তর
রেখাংশ _____: 89:32:00 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: 00:28:08 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 02:38:08 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: -00:10:04 ঘন্টা
সাম্প্রতিক কাল _____: 13:55:58 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 05:46:00 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 17:38:16 ঘন্টা
দিনমান _____: 11:52:16 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: উত্তরায়ণ
সূর্য স্থিতি -গোল _____: দক্ষিণ
ঋতু _____: বসন্ত
সূর্য ডিগ্রী _____: 27:06:31 কুন্ড
লগ্ন ডিগ্রী _____: 21:43:35 ধনু

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: ধনু - বৃহস্পতি
রাশি-স্বামী _____: ধনু - বৃহস্পতি
নক্ষত্র-চরণ _____: পূর্বাষাঢ়া - 3
নক্ষত্র-স্বামী _____: শুক্র
যোগ _____: বরিয়ান
করণ _____: বিষ্টি
গণ _____: নর
যোনি _____: বানর
নাড়ী _____: অন্ত্য
বর্ণ _____: ক্ষত্রিয়
বশ্য _____: মানব
বর্গ _____: মূষক
যুগ্ম _____: অন্ত্য
হংসক _____: অগ্নি
জন্ম নামাক্ষর _____: ফা-ফণি
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: স্বর্ণ - তাম্র
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: মীন

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____:
বাবার নাম _____:
মায়ের নাম _____:
জাতি _____:
গোত্র _____:

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিন্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1939	ফাল্গুন	21
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	29
বাংলা	সন্ : 1424	ফাল্গুন	27
তামিল	সম্বৎ : 2074	মাসি	28
কেরালা	কোল্লম : 1193	কুন্তম্	28
নেপালী	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	28
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2074	চৈত্র	কৃষ্ণ 10
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	কৃষ্ণ 10

পঞ্জিকা

সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 9
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 08:35:30
জন্ম তিথি _____ : 10
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : মূলা
নক্ষত্র সমাপ্তি কাল _____ : 06:28:11 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : পূর্বাষাঢ়া
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : ব্যতিপাত
যোগ সমাপ্তি কাল _____ : 19:40:30 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : বরিয়ান
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : গণ
করণ সমাপ্তি কাল _____ : 08:35:30 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : বিষ্টি
ভয়ৎ _____ : 49:14:33
ভাবক _____ : 67:44:45
ভোগ্য দশা _____ : শুক্র 5 ব 5 মা 18 দি

ঘাত চক্র

মাস _____ : শ্রাবণ
তিথি _____ : 3-8-13
দিন _____ : শুক্রবার
নক্ষত্র _____ : ভরণী
যোগ _____ : বজ্র
করণ _____ : তৈতিল
প্রহর _____ : 1
বর্গ _____ : মার্জার
লগ্ন _____ : ধনু
সূর্য _____ : তুলা
চন্দ্র _____ : মীন
মঙ্গল _____ : বৃশ্চিক
বুধ _____ : সিংহ
বৃহস্পতি _____ : ধনু
শুক্র _____ : কুন্ত
শনি _____ : কন্যা
রাহু _____ : কুন্ত

Astro RK SHAKYA

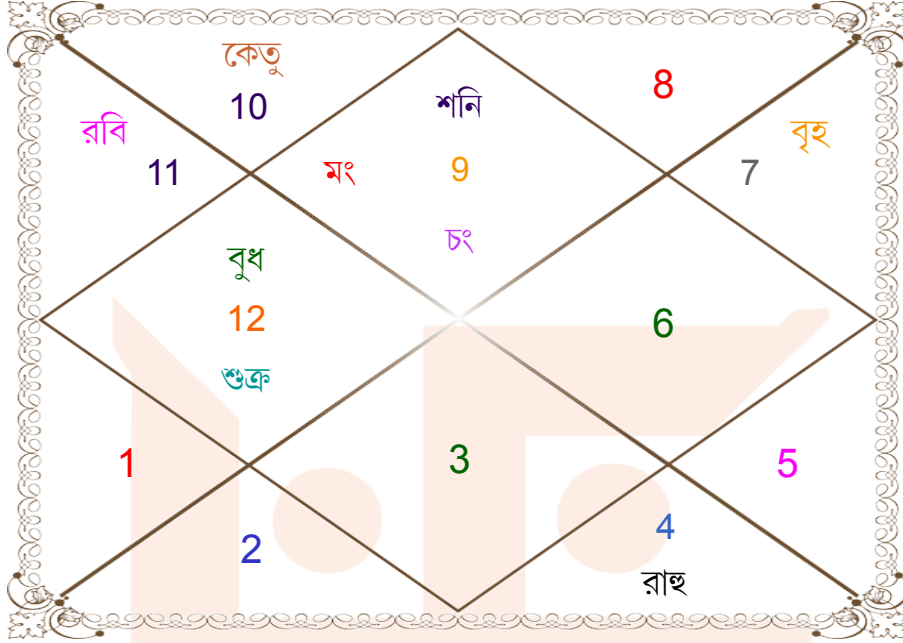
Jaipur, Rajasthan

8949754174

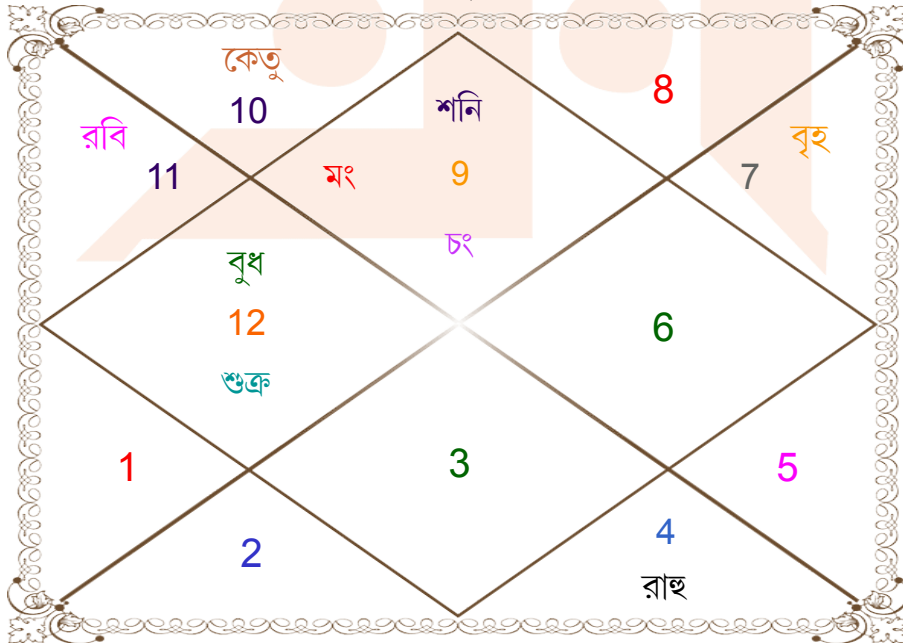
Rukmendrashakya1998@gmail.com

ଜନ୍ମ କୁଣ୍ଡଳୀ

ନଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ



ଚନ୍ଦ୍ର କୁଣ୍ଡଳୀ



Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

শুক্র বুধ			
রবি			রাহু
কেতু			
শনি চং লং মং		বৃহ	

লগ্ন কুন্ডলী

		শুক্র বুধ	রবি
রাহু			কেতু
			লং চং মং শনি
	বৃহ		

বিংশোত্তরী

শুক্র 5ব 5মা 18দি

শুক্র

12/03/2018

30/08/2123

শুক্র	29/08/2023
রবি	29/08/2029
চন্দ্র	29/08/2039
মঙ্গল	29/08/2046
রাহু	29/08/2064
বৃহস্পতি	29/08/2080
শনি	29/08/2099
বুধ	30/08/2116
কেতু	30/08/2123

যোগিনী

সিদ্ধা 1ব 10মা 29দি

সঙ্কটা

08/02/2020

08/02/2028

সঙ্কটা	19/11/2021
মঙ্গলা	08/02/2022
পিঙ্গলা	20/07/2022
ধান্যা	21/03/2023
ভ্রামরী	08/02/2024
ভদ্রিকা	20/03/2025
উলকা	20/07/2026
সিদ্ধা	08/02/2028

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

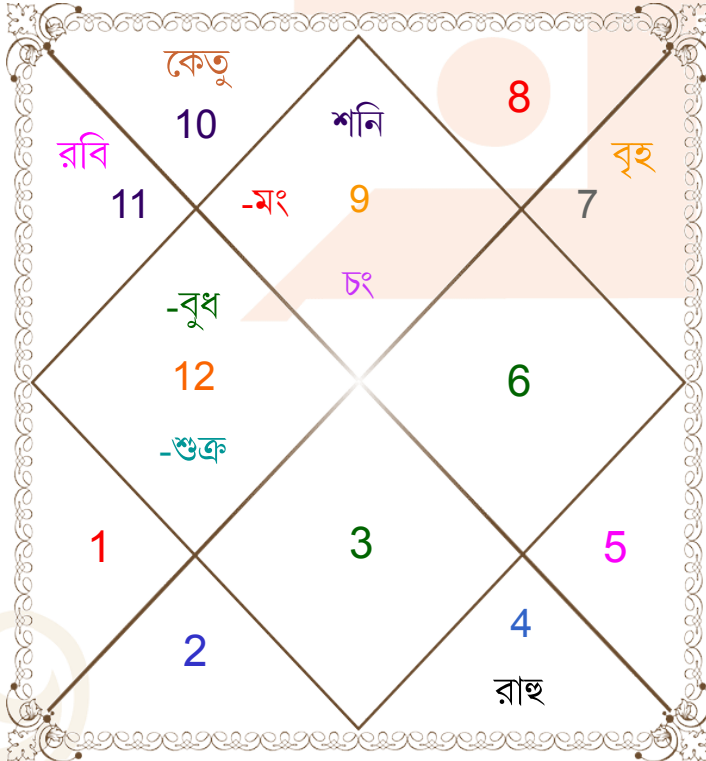
Rukmendrashakya1998@gmail.com

গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

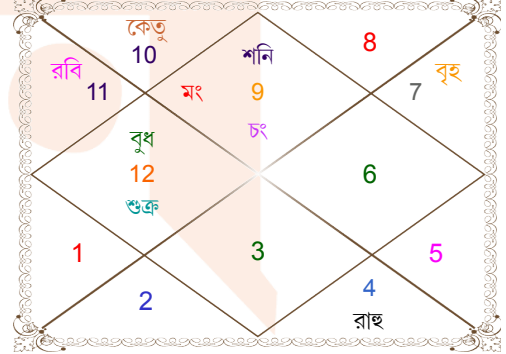
গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			ধনু	21:43:35	359:25:45	পূর্বাষাঢ়া	3	20	বৃহ	শুক্র	বৃহ	---
রবি			কুম্ভ	27:06:31	00:59:55	পূ ভাদ্রপদ	3	25	শনি	বৃহ	শুক্র	শত্রুরাশি
চং			ধনু	23:01:19	11:48:41	পূর্বাষাঢ়া	3	20	বৃহ	শুক্র	শনি	সমরাশি
মং			ধনু	02:31:23	00:34:53	মূলা	1	19	বৃহ	কেতু	শুক্র	মিত্ররাশি
বুধ			মীন	14:41:18	01:22:33	উ ভাদ্রপদ	4	26	বৃহ	শনি	রাহ	নীচস্থ
বৃহ	ব		তুলা	29:06:13	00:00:30	বিশাখা	3	16	শুক্র	বৃহ	রবি	শত্রুরাশি
শুক্র			মীন	11:56:59	01:14:33	উ ভাদ্রপদ	3	26	বৃহ	শনি	চং	উচচস্থ
শনি			ধনু	13:55:25	00:03:31	পূর্বাষাঢ়া	1	20	বৃহ	শুক্র	শুক্র	সমরাশি
রাহ			কর্ক	20:21:25	00:01:36	অশ্লেষা	2	9	চং	বুধ	শুক্র	শত্রুরাশি
কেতু			মক	20:21:25	00:01:36	শ্রবণা	4	22	শনি	চং	কেতু	শত্রুরাশি
ইউ			মেঘ	02:19:01	00:02:57	অশ্বিনী	1	1	মং	কেতু	শুক্র	---
নেপ			কুম্ভ	20:06:04	00:02:16	পূ ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	বৃহ	---
পলু			ধনু	26:45:09	00:01:12	উত্তরাষাঢ়া	1	21	বৃহ	রবি	রবি	---
দশম ভাব			তুলা	07:01:17	--	স্বাতি	--	15	শুক্র	রাহ	রাহ	--

ব - বক্রী স - স্থির
অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত
রাহ : স্পর্শ
লাহিড়ী অয়নাংশ : 24:06:28

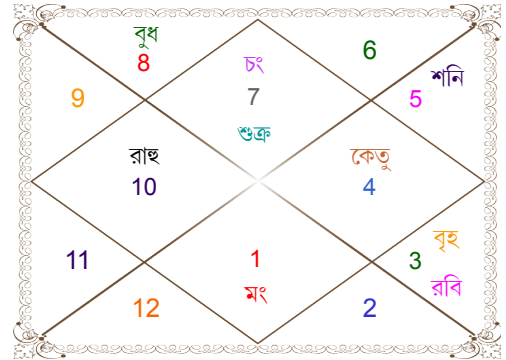
লগ্ন চলিত



চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	ধনু 09:16:32	ধনু 21:43:35
2	মকর 09:16:32	মকর 26:49:29
3	কুম্ভ 14:22:26	মীন 01:55:23
4	মীন 19:28:20	মেষ 07:01:17
5	মেষ 19:28:20	বৃষ 01:55:23
6	বৃষ 14:22:26	বৃষ 26:49:29
7	মিথুন 09:16:32	মিথুন 21:43:35
8	কর্কট 09:16:32	কর্কট 26:49:29
9	সিংহ 14:22:26	কন্যা 01:55:23
10	কন্যা 19:28:20	তুলা 07:01:17
11	তুলা 19:28:20	বৃশ্চিক 01:55:23
12	বৃশ্চিক 14:22:26	বৃশ্চিক 26:49:29

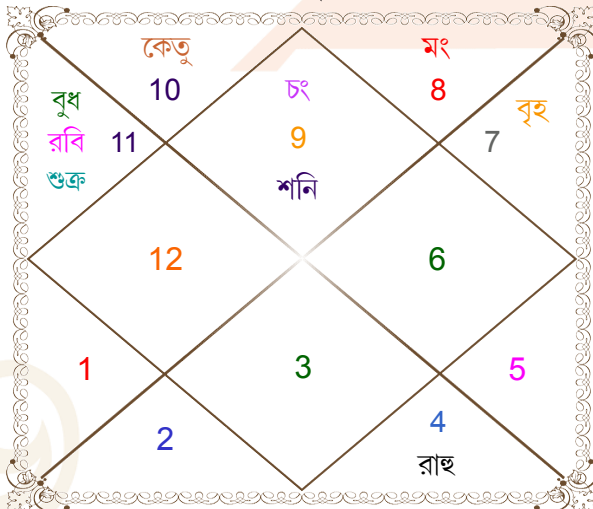
নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	ধনু	21:43:35
2	মকর	27:42:38
3	মীন	04:42:27
4	মেষ	07:01:17
5	বৃষ	03:45:02
6	বৃষ	27:29:04
7	মিথুন	21:43:35
8	কর্কট	27:42:38
9	কন্যা	04:42:27
10	তুলা	07:01:17
11	বৃশ্চিক	03:45:02
12	বৃশ্চিক	27:29:04

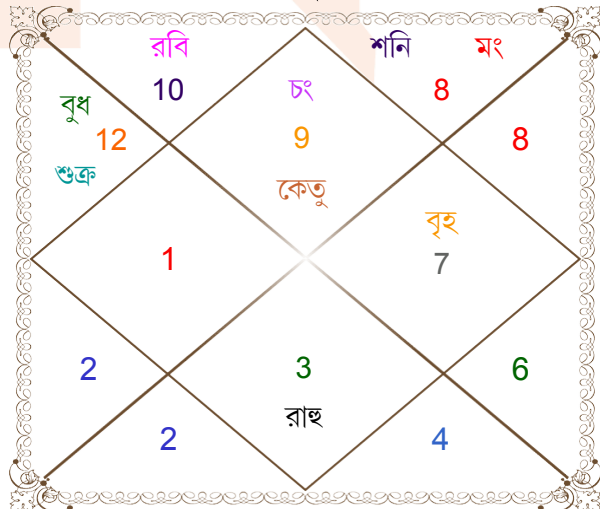
তারার চক্র

জন্ম	সম্পদ	বিপদ	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী	অশ্বিনী
ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা	মঘা
পূ ফাল্গুনী	উ ফাল্গুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা	মূলা

চলিত কুন্ডলী



ভাব কুন্ডলী



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

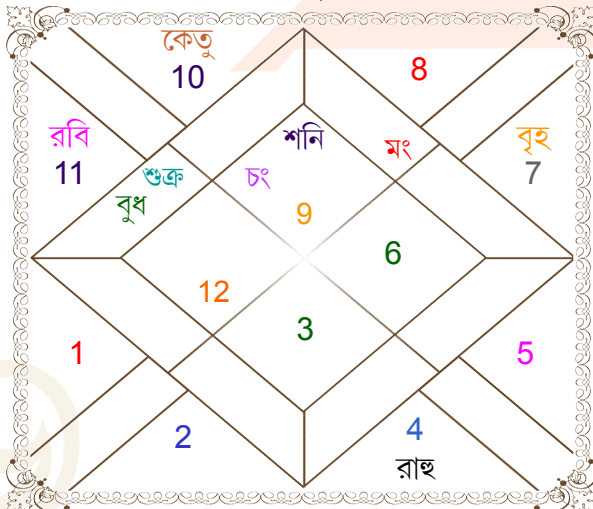
কারক, অবস্থা, রশ্মি

গ্রহ	কারক			অবস্থা			
	চর	স্থির	বালাদি	দীপ্তাদি	শয়নাদি	রশ্মি	গ্রহ বল
রবি	অমাত্য	পিতৃ	মৃত	কাল	প্রকাশ	7.62	33 %
চং	ভ্রাতৃ	মাতৃ	বৃদ্ধ	নিপীড়িত	কৌতুক	3.00	88 %
মং	কূলত্র	ভ্রাতৃ	বাল্য	মুদিত	প্রকাশ	4.61	50 %
বুধ	মাতৃ	জ্ঞাতি	যুবা	ভীত	কৌতুক	0.00	25 %
বৃহ	আত্ম	ধন	মৃত	কাল	সভা	1.03	28 %
শুক্র	জ্ঞাতি	কূলত্র	বৃদ্ধ	দীপ্ত	সভা	21.99	36 %
শনি	পুত্র	আয়ুষ-	যুবা	নিপীড়িত	কৌতুক	4.20	56 %
রাহ	---	জ্ঞান	কুমার	কাল	সভা	0.00	36 %
কেতু	---	মোক্ষ	কুমার	কাল	শয়ন	0.00	36 %
মোট						42.46	

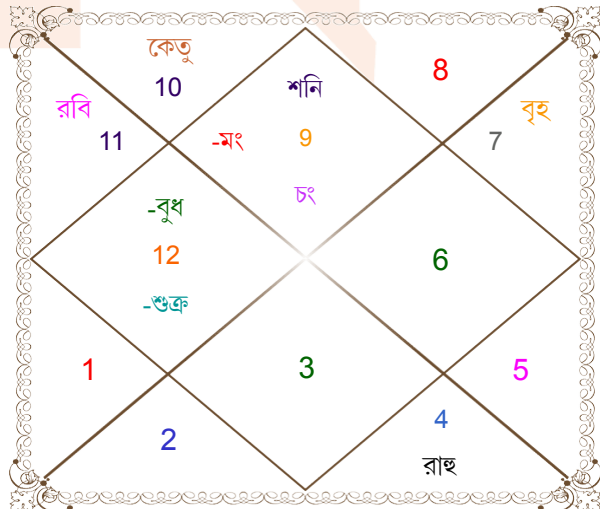
তারা চক্র

জন্ম	সম্পত্ত	বিপত্ত	ক্ষেম	প্রত্যাগি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী	অশ্বিনী
ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা	মঘা
পূ ফালগুনী	উ ফালগুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতি	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা	মূলা

চলিত কুন্ডলী



লগ্ন চলিত



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : শুক্র 5 বর্ষ 5 মাস 18 দিন

শুক্র 20 বর্ষ	রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ	মং 7 বর্ষ	রাহ 18 বর্ষ
12/03/2018 29/08/2023	29/08/2023 29/08/2029	29/08/2029 29/08/2039	29/08/2039 29/08/2046	29/08/2046 29/08/2064
00/00/0000	রবি 17/12/2023	চং 29/06/2030	মং 26/01/2040	রাহ 11/05/2049
00/00/0000	চং 17/06/2024	মং 28/01/2031	রাহ 12/02/2041	বৃহ 05/10/2051
00/00/0000	মং 22/10/2024	রাহ 29/07/2032	বৃহ 19/01/2042	শনি 11/08/2054
00/00/0000	রাহ 16/09/2025	বৃহ 28/11/2033	শনি 28/02/2043	বুধ 27/02/2057
00/00/0000	বৃহ 05/07/2026	শনি 30/06/2035	বুধ 25/02/2044	কেতু 18/03/2058
12/03/2018	শনি 17/06/2027	বুধ 28/11/2036	কেতু 23/07/2044	শুক্র 18/03/2061
শনি 29/08/2019	বুধ 23/04/2028	কেতু 29/06/2037	শুক্র 22/09/2045	রবি 09/02/2062
বুধ 29/06/2022	কেতু 29/08/2028	শুক্র 28/02/2039	রবি 28/01/2046	চং 11/08/2063
কেতু 29/08/2023	শুক্র 29/08/2029	রবি 29/08/2039	চং 29/08/2046	মং 29/08/2064
বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ	শুক্র 20 বর্ষ
29/08/2064 29/08/2080	29/08/2080 29/08/2099	29/08/2099 30/08/2116	30/08/2116 30/08/2123	30/08/2123 00/00/0000
বৃহ 17/10/2066	শনি 02/09/2083	বুধ 26/01/2102	কেতু 26/01/2117	শুক্র 30/12/2126
শনি 29/04/2069	বুধ 12/05/2086	কেতু 23/01/2103	শুক্র 28/03/2118	রবি 30/12/2127
বুধ 05/08/2071	কেতু 20/06/2087	শুক্র 23/11/2105	রবি 03/08/2118	চং 30/08/2129
কেতু 11/07/2072	শুক্র 20/08/2090	রবি 30/09/2106	চং 04/03/2119	মং 30/10/2130
শুক্র 12/03/2075	রবি 02/08/2091	চং 29/02/2108	মং 31/07/2119	রাহ 30/10/2133
রবি 29/12/2075	চং 02/03/2093	মং 25/02/2109	রাহ 18/08/2120	বৃহ 30/06/2136
চং 29/04/2077	মং 11/04/2094	রাহ 15/09/2111	বৃহ 24/07/2121	শনি 13/03/2138
মং 05/04/2078	রাহ 15/02/2097	বৃহ 21/12/2113	শনি 02/09/2122	00/00/0000
রাহ 29/08/2080	বৃহ 29/08/2099	শনি 30/08/2116	বুধ 30/08/2123	00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল শুক্র ৫ ব ৫ মা ১৭ দি হয়।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময়। বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্ণিত, আয়ুর্নির্ণয় ব্যতীত ।

Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

রবি - বৃহ		রবি - শনি		রবি - বুধ		রবি - কেতু		রবি - শুক্র	
16/09/2025		05/07/2026		17/06/2027		23/04/2028		29/08/2028	
05/07/2026		17/06/2027		23/04/2028		29/08/2028		29/08/2029	
বৃহ	25/10/2025	শনি	29/08/2026	বুধ	31/07/2027	কেতু	30/04/2028	শুক্র	29/10/2028
শনি	10/12/2025	বুধ	18/10/2026	কেতু	19/08/2027	শুক্র	22/05/2028	রবি	16/11/2028
বুধ	21/01/2026	কেতু	07/11/2026	শুক্র	09/10/2027	রবি	28/05/2028	চং	16/12/2028
কেতু	07/02/2026	শুক্র	04/01/2027	রবি	25/10/2027	চং	08/06/2028	মং	07/01/2029
শুক্র	28/03/2026	রবি	21/01/2027	চং	20/11/2027	মং	15/06/2028	রাহু	02/03/2029
রবি	11/04/2026	চং	19/02/2027	মং	08/12/2027	রাহু	04/07/2028	বৃহ	20/04/2029
চং	06/05/2026	মং	11/03/2027	রাহু	23/01/2028	বৃহ	21/07/2028	শনি	17/06/2029
মং	23/05/2026	রাহু	02/05/2027	বৃহ	05/03/2028	শনি	11/08/2028	বুধ	08/08/2029
রাহু	05/07/2026	বৃহ	17/06/2027	শনি	23/04/2028	বুধ	29/08/2028	কেতু	29/08/2029
চং - চং		চং - মং		চং - রাহু		চং - বৃহ		চং - শনি	
29/08/2029		29/06/2030		28/01/2031		29/07/2032		28/11/2033	
29/06/2030		28/01/2031		29/07/2032		28/11/2033		30/06/2035	
চং	23/09/2029	মং	12/07/2030	রাহু	21/04/2031	বৃহ	02/10/2032	শনি	28/02/2034
মং	11/10/2029	রাহু	13/08/2030	বৃহ	03/07/2031	শনি	18/12/2032	বুধ	21/05/2034
রাহু	26/11/2029	বৃহ	10/09/2030	শনি	27/09/2031	বুধ	25/02/2033	কেতু	23/06/2034
বৃহ	05/01/2030	শনি	14/10/2030	বুধ	14/12/2031	কেতু	26/03/2033	শুক্র	28/09/2034
শনি	23/02/2030	বুধ	13/11/2030	কেতু	15/01/2032	শুক্র	15/06/2033	রবি	27/10/2034
বুধ	07/04/2030	কেতু	25/11/2030	শুক্র	15/04/2032	রবি	09/07/2033	চং	14/12/2034
কেতু	24/04/2030	শুক্র	31/12/2030	রবি	13/05/2032	চং	19/08/2033	মং	17/01/2035
শুক্র	14/06/2030	রবি	11/01/2031	চং	27/06/2032	মং	16/09/2033	রাহু	13/04/2035
রবি	29/06/2030	চং	28/01/2031	মং	29/07/2032	রাহু	28/11/2033	বৃহ	30/06/2035
চং - বুধ		চং - কেতু		চং - শুক্র		চং - রবি		মং - মং	
30/06/2035		28/11/2036		29/06/2037		28/02/2039		29/08/2039	
28/11/2036		29/06/2037		28/02/2039		29/08/2039		26/01/2040	
বুধ	11/09/2035	কেতু	10/12/2036	শুক্র	09/10/2037	রবি	09/03/2039	মং	07/09/2039
কেতু	11/10/2035	শুক্র	15/01/2037	রবি	08/11/2037	চং	24/03/2039	রাহু	30/09/2039
শুক্র	05/01/2036	রবি	26/01/2037	চং	29/12/2037	মং	04/04/2039	বৃহ	19/10/2039
রবি	31/01/2036	চং	12/02/2037	মং	02/02/2038	রাহু	01/05/2039	শনি	12/11/2039
চং	14/03/2036	মং	25/02/2037	রাহু	05/05/2038	বৃহ	26/05/2039	বুধ	03/12/2039
মং	13/04/2036	রাহু	29/03/2037	বৃহ	25/07/2038	শনি	23/06/2039	কেতু	12/12/2039
রাহু	30/06/2036	বৃহ	26/04/2037	শনি	29/10/2038	বুধ	19/07/2039	শুক্র	06/01/2040
বৃহ	07/09/2036	শনি	30/05/2037	বুধ	23/01/2039	কেতু	30/07/2039	রবি	13/01/2040
শনি	28/11/2036	বুধ	29/06/2037	কেতু	28/02/2039	শুক্র	29/08/2039	চং	26/01/2040

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

মং - রাহু	মং - বৃহ	মং - শনি	মং - বুধ	মং - কেতু
26/01/2040 12/02/2041	12/02/2041 19/01/2042	19/01/2042 28/02/2043	28/02/2043 25/02/2044	25/02/2044 23/07/2044
রাহু 23/03/2040	বৃহ 30/03/2041	শনি 24/03/2042	বুধ 20/04/2043	কেতু 05/03/2044
বৃহ 13/05/2040	শনি 23/05/2041	বুধ 20/05/2042	কেতু 11/05/2043	শুক্র 30/03/2044
শনি 13/07/2040	বুধ 10/07/2041	কেতু 13/06/2042	শুক্র 11/07/2043	রবি 06/04/2044
বুধ 05/09/2040	কেতু 30/07/2041	শুক্র 20/08/2042	রবি 29/07/2043	চং 18/04/2044
কেতু 28/09/2040	শুক্র 25/09/2041	রবি 09/09/2042	চং 28/08/2043	মং 27/04/2044
শুক্র 01/12/2040	রবি 12/10/2041	চং 13/10/2042	মং 18/09/2043	রাহু 20/05/2044
রবি 20/12/2040	চং 09/11/2041	মং 05/11/2042	রাহু 11/11/2043	বৃহ 08/06/2044
চং 21/01/2041	মং 29/11/2041	রাহু 05/01/2043	বৃহ 30/12/2043	শনি 02/07/2044
মং 12/02/2041	রাহু 19/01/2042	বৃহ 28/02/2043	শনি 25/02/2044	বুধ 23/07/2044
মং - শুক্র	মং - রবি	মং - চং	রাহু - রাহু	রাহু - বৃহ
23/07/2044 22/09/2045	22/09/2045 28/01/2046	28/01/2046 29/08/2046	29/08/2046 11/05/2049	11/05/2049 05/10/2051
শুক্র 02/10/2044	রবি 29/09/2045	চং 15/02/2046	রাহু 24/01/2047	বৃহ 05/09/2049
রবি 24/10/2044	চং 09/10/2045	মং 27/02/2046	বৃহ 05/06/2047	শনি 22/01/2050
চং 28/11/2044	মং 17/10/2045	রাহু 31/03/2046	শনি 08/11/2047	বুধ 26/05/2050
মং 23/12/2044	রাহু 05/11/2045	বৃহ 29/04/2046	বুধ 26/03/2048	কেতু 16/07/2050
রাহু 25/02/2045	বৃহ 22/11/2045	শনি 01/06/2046	কেতু 23/05/2048	শুক্র 09/12/2050
বৃহ 23/04/2045	শনি 12/12/2045	বুধ 02/07/2046	শুক্র 03/11/2048	রবি 22/01/2051
শনি 29/06/2045	বুধ 30/12/2045	কেতু 14/07/2046	রবি 23/12/2048	চং 05/04/2051
বুধ 28/08/2045	কেতু 07/01/2046	শুক্র 19/08/2046	চং 15/03/2049	মং 26/05/2051
কেতু 22/09/2045	শুক্র 28/01/2046	রবি 29/08/2046	মং 11/05/2049	রাহু 05/10/2051
রাহু - শনি	রাহু - বুধ	রাহু - কেতু	রাহু - শুক্র	রাহু - রবি
05/10/2051 11/08/2054	11/08/2054 27/02/2057	27/02/2057 18/03/2058	18/03/2058 18/03/2061	18/03/2061 09/02/2062
শনি 18/03/2052	বুধ 21/12/2054	কেতু 22/03/2057	শুক্র 16/09/2058	রবি 03/04/2061
বুধ 12/08/2052	কেতু 13/02/2055	শুক্র 25/05/2057	রবি 10/11/2058	চং 30/04/2061
কেতু 12/10/2052	শুক্র 18/07/2055	রবি 13/06/2057	চং 10/02/2059	মং 20/05/2061
শুক্র 03/04/2053	রবি 03/09/2055	চং 15/07/2057	মং 14/04/2059	রাহু 08/07/2061
রবি 26/05/2053	চং 20/11/2055	মং 06/08/2057	রাহু 26/09/2059	বৃহ 21/08/2061
চং 20/08/2053	মং 13/01/2056	রাহু 03/10/2057	বৃহ 19/02/2060	শনি 12/10/2061
মং 20/10/2053	রাহু 01/06/2056	বৃহ 23/11/2057	শনি 10/08/2060	বুধ 27/11/2061
রাহু 25/03/2054	বৃহ 03/10/2056	শনি 23/01/2058	বুধ 13/01/2061	কেতু 17/12/2061
বৃহ 11/08/2054	শনি 27/02/2057	বুধ 18/03/2058	কেতু 18/03/2061	শুক্র 09/02/2062

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাঙ্ক, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

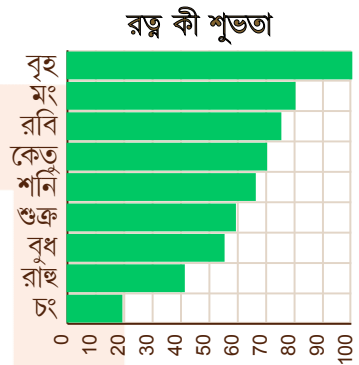
মূলাঙ্ক	3
ভাগ্যাক্ষ	8
মিত্র অঙ্ক	3, 5, 7, 9, 8
শত্রু অঙ্ক	1, 4,
শুভ বর্ষ	21,30,39,48,57
শুভ দিন	রবি, বৃহ, মঙ্গ
শুভ গ্রহ	রবি, বৃহস্পতি, মঙ্গল
মিত্র রাশি	মীন, সিংহ
মিত্র লগ্ন	মীন, সিংহ, তুলা
অনুকূল দেবতা	হনুমান
শুভ রত্ন	পোখরাজ
শুভ উপরত্ন	টোপাজ, হলুদ হকীক
ভাগ্য রত্ন	মাণিক্য
শুভ ধাতু	কাংস
শুভ রং	পীত
শুভ দিক্	পূর্বোত্তর
শুভ সময়	সন্ধ্যা
দান পদার্থ	হলুদ, পুস্তক, পীত পুষ্প
দান অন্ন	ডাল ছোলা
দান দ্রব্য	ঘী

রত্ন চয়ন

রত্ন জীবন মেং শুভত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক রূপ সে, রত্ন অপনে গ্রহ কী রাশিযোগে কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গ্রহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যही कारण है कि रत্ন केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र मेें स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की फति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नें मेें एकादश, द्वि मेें नवम व द्विस्वभाव मेें सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत্ন चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकण्डली मेें ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ मेें दर्शित किया गया है। साथ ही केटोन सा ग्रह किस त्वे मेें कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं मेें विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका मेें दी गई है। जिस ग्रह को ९५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत্ন हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-९५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे कार्य त्वे अनसार व अनकल दशा मेें धारण करना चाहिए। जो रत্ন केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनको रत্ন केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा मेें धारण करने चाहिए। अन्ततः जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समर्थन नर उनको रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत্ন	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पोखराज	बृह	100%	धनार्जन, स्वास्थ्य, सुख
प्रवाल	मंग	80%	स्वास्थ्य, सन्तति सुख, कम खर्च
मागिक्य	रवि	75%	पराक्रम, भाग्योदय
वैदूर्यमणि	केतु	70%	धन, स्वास्थ्य
नीला	शनि	66%	स्वास्थ्य, धन, पराक्रम
हीरा	शुक्र	59%	सुख, शत्रु एवं रोग मुक्ति, धनार्जन
पान्ना	बुध	55%	सुख, दम्पति, व्यवसायिक उन्नति
गोमेद	राह	41%	दुर्घटना, रोग
मुञ्ज	चंग	19%	रोग, दुर्घटना



दशानुसार रत্ন विचार

दशा	समाप्ति	मागिक्य	मुञ्ज	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	वैदूर्यमणि
शुक्र	29/08/2023	62%	0%	80%	61%	100%	72%	72%	52%	77%
रवि	29/08/2029	88%	31%	86%	55%	100%	44%	53%	16%	58%
चंग	29/08/2039	81%	44%	80%	61%	100%	59%	66%	16%	58%
मंग	29/08/2046	81%	31%	92%	34%	100%	59%	66%	16%	77%
राह	29/08/2064	62%	0%	67%	55%	100%	66%	72%	58%	58%
बृह	29/08/2080	81%	31%	86%	34%	100%	44%	66%	41%	70%
शनि	29/08/2099	62%	0%	67%	61%	100%	66%	78%	52%	58%
बुध	30/08/2116	81%	0%	80%	67%	100%	66%	66%	41%	70%
केतु	30/08/2123	62%	0%	86%	55%	100%	66%	53%	16%	83%

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

विस्तृत रत्न विचार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते हैं। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते हैं। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते हैं अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते हैं।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते हैं। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए पुखराज मूंगा व माणिक्य रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पुखराज आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

माणिक्य आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मूंगा आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए लहसुनिया नीलम हीरा एवं पन्ना रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम हैं। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

गोमेद रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परीक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

मोती पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। इस रत्न का आप सर्वदा त्याग ही करें, क्योंकि किसी भी दशा या गोचर में इससे शुभ फल प्राप्त होने की आशा कम ही

है। इस रत्न को धारण करने से सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। आपको गुरु रत्न पुखराज धारण करना चाहिए। रत्न शुभता से आप कुशाग्र और विचारवान बनेंगे। आप सत्यवक्ता बनेंगे तथा आपको सज्जन एवं श्रेष्ठ व्यक्तियों की संगति प्राप्त होगी। पुखराज रत्न श्रीमान और कुलीन लोगों से आपकी मित्रता बनाएगा। रत्न की शक्तियां आपकी आशाओं और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में सहयोग करेंगी। आपको अर्थलाभ और धन की प्राप्ति देगी। पुखराज रत्न से आपकी आमदनी के अनेक साधन होंगे। यह रत्न आपको पराक्रमी, पिता का सहायक और शत्रुओं को पराजित करने वाला बनाएगा।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में गुरु लग्नेश एवं चतुर्थेश है। गुरु आपके लिए विशेष शुभ ग्रह है अतः आप गुरु रत्न पुखराज धारण कर गुरु की पूर्ण शुभता प्राप्त कर सकते हैं। पुखराज रत्न धारण से आपको स्वास्थ्य बेहतर होगा। आपके रोगग्रस्त होने की संभावनाएं कम हो सकती हैं। पुखराज रत्न आपको प्रसन्नचित्त, विवेकी, विनम्र और सौम्य स्वभाव का स्वामी बनाएगा। रत्न प्रभाव से आप धर्म, दया, सेवा विषयों से जुड़ेंगे। पुखराज रत्न चतुर्थेश का रत्न होने के कारण आपको माता सुख, भूमि-भवन का सुख, संतान से पूर्ण सुख, विद्वान, गुणी, मनोवांछित जीवनसाथी, धर्मपरायण, धनी एवं यशस्वी बना सकता है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ॐ वृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरूरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार हैं- चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल प्रथम भाव में स्थित है। मंगल रत्न मूंगा धारण कर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकते हैं। यह रत्न आपको पराक्रमी बनाये रखेगा और आपके साहस भाव को भी बढ़ायेगा। मूंगा रत्न आपके आत्मबल को ऊंच रख आपको कठिन से कठिन कार्य करने का सामर्थ्य देगा। समाज में आपको सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

मंगल अपनी पूर्ण दृष्टि से चतुर्थ, सप्तम एवं अष्टम भाव को देख रहा है। इसलिए मूंगा रत्न आपके लिए भूमि एवं वाहन सुख प्राप्त करने में सहयोगी होगा। इस रत्न को धारण करने से आपके आत्मविश्वास भाव में वृद्धि होगी। भूमि, भवन क्रय-विक्रय में सहयोग लाभ प्राप्त होगा।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में मंगल पंचमेश एवं द्वादशेश है। मंगल रत्न मूंगा आपके लिए शुभ रत्न है। मूंगा रत्न धारण करने से नौकरी में बदलाव करना आपके लिए सहज हो सकता है। मूंगा रत्न आप सदाचारी, बुद्धिमान एवं विनम्र हो सकते हैं। रत्न आपको जीवनसाथी से लाभ, पिता की धार्मिक आस्था, पिता की विदेश यात्रा, कोर्ट-कचहरी के फैसलों में आपके अनुकूल फल प्राप्त करा सकता है। इस रत्न की शुभता आपको संतान से सुख, शयन सम्बन्धी परेशानियां एवं समझौते आपके पक्ष में हो सकते हैं।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र ॐ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे - गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्ती से लेकर अधिकतम ८ रत्ती तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते हैं।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न धारण से आपके पराक्रम, प्रताप एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। यह रत्न आपकी कठोरता और अनुशासनप्रियता में कमी करेगा। आपको उदार, हितकारी बनाने में सहयोग करेगा। इसकी शुभता से आप धैर्यवान, पुरुषाधी एवं स्वाभिमानी गुणों से परिपूर्ण होंगे। माणिक्य रत्न आपकी आत्मा व चित्त की शुद्धि करेगा। भाई-बहनों का प्रियजन बनायेगा। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य ग्रह की शुभता प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में सूर्य दशम भाव के स्वामी है। सूर्य के बेहतर फल प्राप्त करने के लिए आप सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर सकते हैं। माणिक्य रत्न आपका भाग्य रत्न है। यह रत्न आपको भाग्य का अनुकूल सहयोग देगा। माणिक्य रत्न धारण कर आप आत्मिक रूप से बली हो सकते हैं। यह रत्न आपको शक्तिशाली कर सकता है। आप धर्मपरायण की ओर उन्मुख होंगे। आपकी सुरुचि धार्मिक गतिविधियों की ओर हो सकती है। माणिक्य रत्न आपके वैवाहिक सुख के सुखों में वृद्धि करेगा। आपको व्यापार में उन्नति देगा।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में

स्नानादि से निवृत्त होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ॐ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तदपश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ हैं तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। दूसरे भाव की शुभता प्राप्ति के लिए आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। लहसुनिया रत्न आपको सरकारी क्षेत्रों के दंड से बचाव करेगा। वाणी में दार्शनिकता का भाव लायेगा। यह रत्न आपके रोगों में कमी करेगा। पारिवारिक संबंधों में मधुरता लाने में भी लहसुनिया रत्न शुभ फल प्रदान करेगा। धन बढ़ायेगा। पारिवारिक सुखों को बढ़ायेगा। केतु रत्न लहसुनिया आपके लिए शुभत्व प्रदायक रत्न है।

केतु मकर राशि में स्थित है व इसका स्वामी 'व' प्रथम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया धारण करने से आप शत्रुओं के बल को नष्ट कर उन पर विजय प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको अत्यन्त साहसी और विपुल पराक्रमी बनाएगा तथा रत्न शुभता आपको अपने कुल में मुख्य प्रतापी बनाएगी। आप भूमि का संचय करेंगे। स्वास्थ्य सुख को यह रत्न बेहतर करेगा। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आपके द्वारा गलत तरीकों का प्रयोग हो सकता है। यह रत्न आपको दृढ़-निश्चयी एवं अधिक बोलने वाला बनाएगा। रत्न शुभता आपकी चातुर्य शक्ति को बढ़ा रही है। इसे धारण करने पर आपका दांपत्य जीवन सुखद होगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूठी में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ॐ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार हैं- सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम ४ रत्ती और अधिकतम ८-१० रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि लग्न भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। शनि रत्न नीलम आपकी परिश्रम क्षमता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करेगा। सरकारी पक्ष व पिता से सहयोग प्राप्त होगा। प्रथम भाव में स्थित शनि की दृष्टि तृतीय, सप्तम एवं दशम भाव पर आ रही है। शनि रत्न नीलम की शुभता से भाग्योदय, सम्मान एवं लाभ की प्राप्ति होगी। जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा। भाई-बंधुओं से सुख-स्नेह प्राप्ति में भी यह रत्न सहयोग करेगा। नीलम रत्न आपके पुरुषार्थ भाव में वृद्धि कर रहे हैं।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में शनि दूसरे भाव एवं तीसरे भाव के स्वामी है। शनि शुभता प्राप्ति के लिए आप शनि रत्न नीलम धारण कर सकते हैं। नीलम रत्न आपकी शरीर की अस्वस्थता को दूर करने का प्रयास कर सकता है। नीलम रत्न की शुभता से आपको धन व परिवार का सुख प्राप्त होता रहेगा। यह रत्न आपके पराक्रम भाव को बढ़ाएगा। मित्र बंधुओं का सहयोग पाने के लिए भी आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं। नीलम रत्न की शुभता से आपको कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। यह रत्न सरकारी क्षेत्रों से जुड़े कार्यों के मध्य आने वाली बाधाओं में कमी कर सकता है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। रत्न आपको परोपकारी, व्यवहार कुशल, पराक्रमी और प्रसन्नचित्त रहने का स्वभाव देगा। हीरा रत्न प्रभाव से आप दूसरों का हित चाहने वाले, धार्मिक कार्यों में रुचि लेने वाले व्यक्ति बनेंगे। शुक्र रत्न हीरा आपको बुद्धि एवं विद्या दोनों से धनी करेगा। आप मातृ भक्त और मातृ सेवक बनेंगे। सभी प्रकार के भौतिक सुख साधनों से आप संपन्न रहेंगे। हीरे की शक्तियां अच्छा घर, वाहन, आभूषण, वस्त्र आदि सब प्राप्त करने में सहयोग करेंगी।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में शुक्र एकादशेश एवं षष्ठेश है। शुक्र रत्न हीरा आपके आय क्षेत्रों को प्रशस्त करेगा। अपनी उच्चभिलाषाओं को प्राप्त करने के लिए भी आप यह हीरा रत्न धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न आपके शत्रुओं में कमी कर सकता है। शत्रुओं को

परास्त करने के लिए भी आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं। रत्न शुभता से आपके परिश्रम भाव में बढ़ोतरी हो सकती है। रत्न प्रभाव से आप रोग, ऋणों पर नियंत्रण रखने में सफल हो सकते हैं। शुक्र रत्न आपको प्रतियोगिताओं में सफलता दिला सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ॐ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा १ रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको बुध रत्न पन्ना धारण करना चाहिए। पन्ना रत्न धारण करने से आप वाद विवाद में चतुर और एक अच्छे सलाहकार बनेंगे। रत्न शुभता से आपमें धैर्य और ज्ञान पर्याप्त मात्रा में बना रहेगा। आप एक अच्छे नीतिज्ञ व्यक्ति बन सकते हैं। भाई बंधुओं से आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। यह रत्न आपकी स्मरण शक्ति बहुत तीव्र कर सकता है। रत्न प्रभाव से आपका अन्तर्ज्ञान भी बड़ा समृद्ध होगा। आपकी रुचि गीत, संगीत या नृत्य क्षेत्र में हो सकती है। यह रत्न आपको लेखन, कार्यों में सफलता, माता-पिता का सुख, गणित विषय का ज्ञानी। आप समाज में प्रतिष्ठित और यशस्वी होंगे।

आपकी धनु लग्न की कुंडली में बुध सप्तमेश एवं दशमेश है। आप बुध रत्न पन्ना धारण कर सकते हैं। पन्ना रत्न आपको बुद्धिमान और विनोदी प्रवृत्ति दे सकता है। यह रत्न आपको राज्य एवं आजीविका क्षेत्र में बौद्धिक योग्यता से सफलता प्राप्ति दे सकता है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और लाभ देने के साथ साथ पन्ना रत्न आपको सहयोगियों से संबंध मधुर कर सकता है। पन्ना रत्न धारण कर आप ससुराल से धन प्राप्ति के योग बना सकता है। बुध रत्न पन्ने की शुभता आपको धन, यश भी दे सकती है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत्त होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते हैं। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ॐ बुं बुधाय नमः का १ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे - मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न ३ रत्ती का कम से कम, अन्यथा ६ रत्ती का होना चाहिए।

गोमेद

राहु कर्क राशि में स्थित है व इसका स्वामी कृष्णार्द्र प्रथम भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आपमें लापरवाही की प्रवृत्ति विकसित हो सकती है। आप अपने उत्तरदायित्वों से विमुख होंगे। यह रत्न आपके स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत रत्न सिद्ध होगा। तथा रत्न आपमें अत्यधिक क्रोध भाव और चतुरता भाव लाएगा। साथ ही इस रत्न पहनने पर आपके व्यवहार में विश्वास भाव की कमी होगी। व आपके साहस में कमी होगी। आपमें क्रोध और अहंकार भाव बढ़ेगा। एवं यह रत्न आपके दांपत्य जीवन को तनावपूर्ण करेगा। रत्न की प्रतिकूलता आपको अस्थिर विचारधारा देगी। जीवन में सफलता और सुख प्राप्ति में यह रत्न बाधक बन सकता है।

मोती

आपकी धनु लग्न की कुंडली में चंद्र अष्टम भाव के स्वामी है। अष्टमेश चंद्र का मोती रत्न धारण करना आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। मोती रत्न आपके रोगों में वृद्धि एवं आयु में कमी दे सकता है। रत्न प्रभाव से आपको गहरे जल से कष्ट का भय हो सकता है। मोती रत्न आपको नकारात्मक विचारधारा के साथ मानसिक चिंताएं भी अधिक दे सकता है। इस रत्न को पहनने के बाद आप आर्थिक संकटों के कारण दरिद्रता की स्थिति में पहुंच सकते हैं। मोती रत्न की प्रतिकूलता आपको दुर्भाग्य और ससुराल पक्ष से संबंध खराब कर सकती है। यह रत्न आपके जीवन के सुखों में कमी कर दुःखों में वृद्धि कर सकता है। इस रत्न को धारण करने

पर आपको जल के कारण होने वाले रोग हो सकते हैं।

दशानुसार रत्न विचार

शुक्र

(29/08/2023 - 29/08/2029)

शुक्र की दशा में आपका पुखराजए माणिक्य व मूंगा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनियाए पन्ना व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

हीरा व मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

कज्ञहृद्

(29/08/2029 - 29/08/2039)

कज्ञहृद् की दशा में आपका पुखराजए माणिक्य व मूंगा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलमए पन्नाए हीरा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

इध्वा

(29/08/2039 - 29/08/2046)

इध्वा की दशा में आपका पुखराजए मूंगाए माणिक्य व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम व हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना व मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

ॐ

(29/08/2046 - 29/08/2064)

ॐ की दशा में आपका पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलमए मूंगाए हीराए माणिक्यए गोमेदए लहसुनिया व पन्ना रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

ॐ

(29/08/2064 - 29/08/2080)

ॐ की दशा में आपका पुखराजए मूंगा व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

हीराए गोमेदए पन्ना व मोती रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

{

(29/08/2080 - 29/08/2099)

{ की दशा में आपका पुखराज व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मूंगाए हीराए माणिक्यए पन्नाए लहसुनिया व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

ॐ

(29/08/2099 - 30/08/2116)

ॐ की दशा में आपका पुखराजए माणिक्य व मूंगा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनियाए पन्नाए हीरा व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

ॐ

(30/08/2116 - 30/08/2123)

ॐ की दशा में आपका पुखराजए मूंगा व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीराए माणिक्यए पन्ना व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद व मोती रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - टोपाज

आपका जन्म धनु राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी गुरु होता है। गुरु सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह ज्योतिष शास्त्र में सबसे शुभ ग्रह माना जाता है तथा गुरु को ज्योतिष में अमृत के समान माना जाता है। किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः धनु राशि के लग्न वाले जातकों को धनु राशि के स्वामी ग्रह गुरु को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। गुरु ग्रह के लिये टोपाज रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात् जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी गुरु सलाहकार एवं धन का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को सभा में वाणीपटुता के कारण मार्गदर्शक के रूप में सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को घर के बुजुर्गों तथा गुरुओं का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। गुरु ग्रह ज्ञान एवं धन लाभ का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको लीवर या गुर्दे से संबंधित रोग हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा जिसको धन आगमन में व्यवधान हो रहे हों उनको यह रत्न अल्प प्रयास से धन प्राप्ति करवाता है।

टोपाज रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि तर्जनी अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में गुरु की अंगुली मानी जाती है। टोपाज रत्न गुरु का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात् गुरुवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल गुरु की होरा में श्रेष्ठ होता है। गुरुवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय गुरु की होरा का होता है। टोपाज को यदि गुरुवार के साथ-साथ गुरु के नक्षत्र अर्थात् पुनर्वसु, विशाखा और पूर्वा भाद्रपद में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

टोपाज को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पट्टे पर पीले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, गुरु के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण करना चाहिए।

गुरु का मंत्र - ॐ वृं बृहस्पतये नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि गुरु से संबंधित पदार्थ जैसे चने की दाल, गुड़, सवा मीटर पीले कपड़े का दान करें तो टोपाज रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक

फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन गुरु का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें और कैले की जड़ में जल दें तथा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और उनकी उपासना करें तो यह टोपाज रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक गुरुवार को विष्णु जी की उपासना करें तथा विष्णु जी को गुड़ व चने की दाल का भोग लगायें तो यह और अधिक शुभकारी हो जाता है।

धनु लग्न वाले जातक यदि टोपाज रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।



रुद्राक्षके शिवेर चक्षु बला हये থাকे। रुद्राक्ष दुई शब्देर मिलने तैरि, प्रथम रुद्र एर अर्थ भगवान शिव एवं द्वितीय अक्षरेर अर्थ अशु। विश्वास अनुयायी रुद्राक्ष भगवान शिवेर अशु थेके उत्पन्न हयेछे। रुद्राक्ष भगवान शिवेर नेत्र थेके प्रवाहित मुक्ता स्वरूप अशुबिन्दु। या ग्रहण द्वारा समस्त प्रकृतिर मध्ये अलौकिक शक्ति प्रवाहित हय एवं मानव हृदये पोँछे हृदयके जागृत करार सहायक हय।

रुद्राक्ष भारतीय ज्योतिष शास्त्र अत्यन्त उपयोगीता प्राप्त करेछे। ग्रहेर दुष्प्रभाव नष्ट करते रुद्राक्षेर विशेष रूपे व्यवहार करा हय, या अत्यन्त प्रभावशाली एवं सठिक उपाय। जटिल ओ कठिन रोग निरामये यदि जन्मपत्रिका अनुयायी रुद्राक्षेर व्यवहार करा हय, तहले आश्चर्यजनक परिणाम देखा যায়। रुद्राक्षेर शक्ति एवं सामर्थ्य एर मुखेर उपर निर्भर करे। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक एवं मोक्ष प्रदायक हिसाबे वर्णित ओ सर्वमान्य।

एक मुखी थेके चोद मुखी अबधि रुद्राक्ष विशेष रूपे पाওয়া যায় ओ व्यवहृत हय, रुद्राक्षेर अलौकिक शक्ति ओ ক্ষमता आलादा-आलादा मुखेर उपर निर्भरशील। रुद्राक्ष धारणे येमन आपनि ग्रह दोष थेके लाभ प्राप्त करते पारेन, तेमनि आपनार शारीरिक रूप ओ सुस्वास्थ्य लाभेरओ सहायक। रुद्राक्षेर स्पर्श, दर्शन, धारण, पूजन, जप करा एवं माला धारण करले समस्त पाप नाश ओ बाधा विघ्न दूर हय। रुद्राक्ष महादेवेर वरदान स्वरूप, किन्तु धारणेर उपयुक्त नियम एवं मन ओ भावना शुद्ध हওয়া अत्यन्त प्रयोजन।

रुद्राक्षेर दानार उपर काटा दाग अनुयायी रुद्राक्षेर मुखेर निर्धारन हये থাকे। रुद्राक्षेर मध्ये एक प्रान्त थेके अन्य प्रान्त अबधि एकटि रेखा देखा যায়, याके मुख बला हय। रुद्राक्षेर এই रेखा बा मुख साधारनतः एक थेके १४ मुखी अबधि हये থাকे किन्तु कখনओ-कখনओ १५ थेके २१ मुखी पर्यन्त रुद्राक्ष देखा যায়। अर्धेक बा भण्ड लाइन बा दागके मुख माना हय ना, यतुलि लाइन पूरो स्पष्ट भावे देखा যায় मुख ततोङुलोई माना हय।

पुराणे प्रतेक रुद्राक्षेर आलादा-आलादा महत्त्व एवं उपयोगितार उल्लेख करा हयेछे -

एक मुखी - सूर्य ग्रह-स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म-विश्वास, अध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति ओ व्यक्तिह्वेर बिकाश एवं शत्रुदेर उपर विजय प्राप्ति कराय।

दु मुखी - चन्द्र ग्रह-वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यवसाये सफलतार जन्य सर्वाधिक उपयुक्त माना हय।

तिन मुखी - मङ्गल ग्रह-शत्रु दमन ओ रङ्ग सम्झीय बिकार दूर करते सहायक हय।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि, विवेक ओ कामशक्ति वृद्धि कराय।

पाच मुखी - गुरु ग्रह- शारीरिक आरोग्य, आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्तिर जन्य व्यवहार करा हय।

छय मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्झ, आकर्षण, स्मरण शक्ति वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्ये पूर्णता ओ व्यवसाये आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराय।

সাত মুখী - শনি গ্রহ- শনি দোষ নিবারণ, ধন-সম্পত্তি, কীর্তি, বিজয় প্রাপ্তি, কর্ম ও ব্যবসা ইত্যাদিতে সাফল্য বৃদ্ধি করায়।

আট মুখী - রাহু গ্রহ- রাহু গ্রহ সম্বন্ধিত দোষের শান্তি, জ্ঞানপ্রাপ্তি, চিত্তের একাগ্রতা বৃদ্ধি, মামলা-মোকদমায় বিজয়প্রাপ্তি, দুর্ঘটনা ও প্রচণ্ড শত্রুদের থেকে রক্ষা, ব্যবসায়ে সফলতা ও উন্নতিকারক।

নয় মুখী - কেতু গ্রহ- কেতু গ্রহ সম্বন্ধিত দোষের শান্তি, সুখ-শান্তি, ব্যবসায় বৃদ্ধি, ধারণকারীর অকালমৃত্যু হয় না এবং আকস্মিক দুর্ঘটনার ভয় থাকে না।

১০ মুখী - ভগবান মহাবীর- কার্য ক্ষেত্রে প্রগতি, স্থিরতা বৃদ্ধি, সম্মান, কীর্তি, বিভূতি, ধন প্রাপ্তি, লৌকিক-পারলৌকিক কামনা পূর্ণ হয়।

১১ মুখী - ইন্দ্র গ্রহ- আর্থিক লাভ, সমৃদ্ধিশালী জীবন, কোনো বিষয়ের অভাব না হওয়া এবং সমস্ত সংকট ও কষ্ট দূর হয়ে যায়।

১২ মুখী - ভগবান বিষণ্ণ গ্রহ- বিদেশ যাত্রা, নেতৃত্ব শক্তি প্রাপ্তি, শক্তিশালী, ও তেজস্বীতা প্রদান করে। ব্রহ্মচার্য রক্ষা, চেহারায়ে তেজ ও ওজস্বীতা প্রদায়ক। শারীরিক এবং মানসিক কষ্ট দূর করে।

১৩ মুখী - ইন্দ্র গ্রহ- সর্বজন আকর্ষণ ও মনঃস্কামনা প্রাপ্তি, যশ-কীর্তি, মান-প্রতিষ্ঠা এবং কামদেবের প্রতীক। প্রেত বাধা ও নজর দোষ থেকে রক্ষার জন্য বিশেষ উপযোগী।

১৪ মুখী - শনি গ্রহ- আধ্যাত্মিক উন্নতি, শক্তি, ধন প্রাপ্তি এবং কষ্টনিবারক। শনির সাড়ে সাতী বা ঠৈয়ার সময়ে বিশেষ কষ্টনিবারক হিসাবে উপযুক্ত।

আপকী কুন্ডলী ওর রূদ্রাক্ষ

আপনার কুন্ডলী ধনু লগ্নের। আদর্শবাদী হওয়ার কারণে আপনি উৎসাহ প্রকৃতির হবেন। ছল-কপট ভাবনা আপনার মধ্যে থাকবে না ও কখনও আপনার সাথে এমন হলে আপনি বহু সময় যাবৎ এই ব্যাপারে ভাবতে থাকেন। আপনার এই অভ্যাস বদলানোর চেষ্টা করা উচিত। জীবনে আপনি ধন সঞ্চয় প্রকল্প বিশেষগণ, আর্থিক পরামর্শদান ইত্যাদি বিষয়ের সম্বন্ধে ওতপ্রোত ভাবে যুক্ত থাকতে পারেন। আপনার মধ্যে দূরদর্শিতার গুণও দেখা যায়। এই কারণে আপনার কার্য হানি কম হবে।

ঈশ্বরভীরু হওয়ার কারণে আপনি অন্যায় কার্য থেকে নিজেকে দূরে রাখেন, কখনো-কখনো চিন্তিত থাকতে পারেন। আপনি সর্বদা প্রসঙ্গচিত্ত অবস্থায় থাকার প্রয়াস করেন। আপনি নিজের কথা অত্যন্ত গংভীর ভাবে নেন। আপনি ধনী, সম্মানিত ও সমাজে প্রতিষ্ঠিত হওয়ার বিশেষ যোগ্যতা রাখেন। আপনি খুব ভালো পরামর্শদাতা হতে পারেন, কিন্তু অযাচিত পরামর্শ দেওয়া থেকে নিজেকে বিরত রাখুন, অন্যথায় বিরূপ আলোচনার পাত্র হয়ে যেতে পারেন। আপনি আর্থিক বিষয়ের সম্বন্ধে অত্যন্ত উপযুক্ত পরামর্শদাতা হতে পারবেন।

ষষ্ঠ, অষ্টম ও দ্বাদশ ভাব দুষ্ট এবং অশুভ স্থান। আপনার কুন্ডলীর শুভ ফল বৃদ্ধি করতে আপনাকে ষষ্ঠ, অষ্টম ও দ্বাদশ ভাব এবং ভাবেশের শুভত্ব বৃদ্ধি প্রদান করতে হবে। কুন্ডলীর এই ভাব আপনার রোগ, ঋণ, শত্রু, বাধা প্রদান করার সাথে সাথে দৈহিক, সামাজিক, মানসিক, আর্থিক এবং পারিবারিক কষ্ট দিতে পারে। এই সব বিষয়ের সাথে সাথে ষষ্ঠ ভাব প্রতিযোগিতা, সংঘর্ষ এবং বিমাতার ভাব।

কুন্ডলীর ষষ্ঠ ভাব পীড়িত হওয়া বা এই ভাবে অন্য গ্রহ অবস্থিত হওয়া উপরোক্ত সমস্ত বস্তুর মধ্যে অশুভত্ব প্রদান করে। ধন, মৃত্যুর কারণ ও সময়, অবনতি এবং রাজভঙ্গ ইত্যাদি জানা যায়। লগ্নের অষ্টম ভাব থেকে আয়ু, বিনা উপার্জিত ধন, মৃত্যুর কারণ ও সময়, অবনতি এবং রাজভঙ্গ যোগের সম্বন্ধে জানা যায়। অষ্টম ভাবের মতোই দ্বাদশ ভাবেও সমস্ত গ্রহ অনিষ্ট কারক হয়। দ্বাদশ ভাবও ত্রিক ভাব। যহ ভাব আপকী নিদ্রা, ধন নিবেশ, বিবাহে বিলম্ব, অধিকারের নাশ, কয়েদ, শরীর বিকার এবং হানি সম্বন্ধে জানা যায়।

৬, ৮, ১২শ ভাবাধিপতি ও এই ভাব স্থিত গ্রহের মধ্যে অশুভত্ব পাওয়া যায়। যার ফলস্বরূপ আপনার জীবনে সময়ে সময়ে বাধা দান করতে থাকে। ৬, ৮, ১২শ ভাবের স্বামী ও এই ভাবে অবস্থিত গ্রহ নিজ-নিজ মহাদশা-অন্তর্দশায় অনিষ্ট এবং অশুভ ফল প্রদান করে।

আপনার লগ্নের জন্য শুক্র যষ্ঠেশ এবং একাদশেশ, আপনার সন্তানরা বিদ্রাহী স্বভাবের হোতে পারে, জীবন সঙ্গীর সাথে ভুল বোঝাবুঝি, মানসিক অশান্তি ভোগ, আপনি ব্যভিচারী প্রবৃত্তির এবং বশু বিরোধী হোতে পারেন।

আপনার ঘনু লগ্ন, এই লগ্নের অষ্টমাধিপতি চন্দ্র গ্রহ, চন্দ্রের এই স্থিতি আপনার জন্য শৈশবে কষ্টদায়ক, আপনি জলীয় দূপ্রভাবে হয়েয়া রোগের প্রভাবে শীঘ্র পতিত হওয়ার সম্ভাবনা যুক্ত হবেন এবং এই যোগ ধন এবং সম্মান হানির কারণ হয়।

মঙ্গল দ্বাদশেশ এবং পঞ্চমেশ। অতএব এই মগংল অধিক ব্যয়, বিদ্যা ও বুদ্ধি ক্ষেত্রে অল্প লাভ, সন্তানদের থেকে অল্প সুখ, ভাই-বোনদের থেকে সামান্য সুখ, সামান্য পরাক্রম, শত্রুদের সগেং সংঘর্ষে সফল, জীবন সাথীর থেকে কষ্ট লাভ ইত্যাদির সূচক।

আপনার কুন্ডলীতে রাহু অষ্টম ভাবে স্থিত, আপনার পারিবারিক সুখের হানি, পৈত্রিক সম্পত্তি নাশ, সংঘর্ষ, বিমাতার সাথে মতভেদ ইত্যাদি হতে পারে। আপনি অনুচিত উপায়ে লাভার্জন করার প্রয়াস করতে পারেন। ধন বৃদ্ধি করার জন্য অনৈতিক নিয়ম অবলম্বন করতে পারেন। অষ্টম ভাবে রাহু আপনার ক্রোধ বৃদ্ধি করাবে, আপনি অনর্থক বিষয়ে কথা বলা থেকে বিরত থাকুন। আত্মীয়-স্বজন দ্বারা পরিত্যক্ত এবং অপমানিত হতে পারেন, কখনও লাভ ও কখনও হানি হবে, নিষ্ঠুর, বার-বার ক্ষতির সম্মুখীন হওয়া এবং আত্মীয়-স্বজন থেকে দূরে থাকার সম্ভাবনা প্রবল।

এই সমস্ত ফলের শূভত্ব প্রাপ্ত করতে আপনার ২, ৩, ৬, ৮ মুখী রুদ্রাক্ষের কবচ ধারণ করা উচিত। এই কবচ সাদা সুতোয় সোমবার দিন গঙ্গাজলে শুদ্ধ করে ওম নমঃ শিবায় মন্ত্র ১০৮ বার জপ করে ধারণ করা উচিত। তার পরে ভগবান শিবের উপর কাচা দূধ ঢালুন। ক্ষমতানুসারে দান করুন। এই প্রকারে আপনার জীবনে আসা কষ্ট থেকে মুক্ত হতে পারবেন এবং বিশেষ কষ্টের ক্ষেত্রেও প্রয়োজনীয় ফল লাভ করবেন। কুন্ডলীর সমস্ত গ্রহের শূভত্ব প্রাপ্ত করতে আপনার শিব কৃপা রুদ্রাক্ষ মালা যা এক থেকে চোদ্দ মুখী রুদ্রাক্ষ দ্বারা নির্মিত হয়, ধারণ করতে পারেন। এক থেকে চোদ্দ মুখী রুদ্রাক্ষ মালা অঙ্কিত এবং চমৎকারী ফল প্রদান করে।

উপরোক্ত কবচ দশা, গোচর বিচার ব্যতীত আপনি জীবনভর ধারণ করতে পারেন। কারণ, এই কবচ জন্ম লগ্ন এবং সেখানে স্থিত গ্রহের ক্ষতিকারক প্রভাব নিয়ন্ত্রিত করতে অত্যন্ত আবশ্যিক।

সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে চৈয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং চৈয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শান্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	12/03/2018-24/01/2020	-----	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	-----
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	13/07/2034-27/08/2036	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	-----

দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076

তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	16/01/2076-11/07/2076	11/10/2076-15/01/2079	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	20/03/2084-21/05/2086	21/05/2086-08/02/2087	-----
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	02/07/2093-18/08/2095	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	03/12/2102-29/11/2105	-----	-----

শনির চৈয়া ফল

চৈয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	সম	স্বাস্থ্য
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	শুভ	ধন
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	সম	সুখ
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	অশুভ	দুর্ঘটনা
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	অশুভ	ব্যয়

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ওঁ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ওঁ ত্রয়ংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উবার্দ্ধকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্তীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ওঁ হোং জুং স ওঁ ভূর্ভুব স্ব ওঁ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটি ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটি ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ওঁ শং শনৈশ্চরায় নমঃ ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।

মাস্তলিক বিচার

জব বর যা কন্যা কী কুণ্ডলী মেং মস্তল লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম তথা গাদশ ভাব মেং হো তো মাস্তলিক দোষ কহলাতা হৈ। যথোক্তম্

লগ্নে ব্যযে চ পাতালে জামিত্রে চাষ্টমে কুজে।
স্ত্রী ভতুর্বিনাশঞ্চ ভর্তা চ স্ত্রী বিনাশনম্।।

যদি জাতক জাতিকার কুষ্ঠিতে মস্তল গ্রহ চতুর্থ ঘর, সপ্তম ঘর, অষ্টম ঘর বা দ্বাদশ ঘরে স্থিত হয় তবে এটাকে মাস্তলিক দোষ বলা হয়। মস্তল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাস্তলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাস্তলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

যদি আপনার কুষ্ঠিতে মস্তল প্রবল হয় তবে। আপনি একজন মাস্তলিক। তার ফলস্বরূপ আপনি অবশ্যই খিটখিটে মেজাজের হবেন এবং ত্যধিক উদ্বেজনার জন্য অসুখে কষ্ট পাবেন। আপনি অবশ্যই প্রভাবশালী বা সম্মানীয় পুরুষ বা মহিলা হবেন। আপনাকে অত্যধিক কঠিনতার মধ্যে দিয়ে আপনার গুরুত্বপূর্ণ কাজ করতে পারবেন। মস্তলের প্রভাবে আপনার বিবাহে দেরী হোতে পারে এবং স্থির করার পরেও বিবাহ সম্বন্ধ ভেঙ্গে যেতে পারে। আপনার স্ত্রী সুস্বাস্থ্যের অধিকারিনী হবেন এবং আপনি সুখী দাম্পত্য জীবন যাপন করবেন। আপনার কুষ্ঠিতে মস্তল প্রথম অথবা চতুর্থ ঘরের দিকে যাওয়ার সময় আপনাকে কঠোর পরিশ্রম করতে হতে পারে জীবনে স্বাচ্ছন্দ্য আনার জন্য। আপনার গাড়ী ও বাড়ী হবে। মস্তল অষ্টম ঘরে অবস্থান করার জন্য আপনাকে কিছু গুরুত্বপূর্ণ কাজে বাধার সম্মুখীন হোতে হবে। কিন্তু অবশেষে আপনার বিজয় প্রাপ্তি হবে। মস্তলের কুপ্রভাব নষ্ট করার জন্য এবং ভাল ফলের জন্য আপনি অবশ্যই একজন মাস্তলিক মহিলাকে বিবাহ করবেন। যার মানে আপনার মাস্তলিক দোষ পূর্ণভাবে মুক্ত হয়েছে। এর জন্য স্ত্রীর কুষ্ঠিতে প্রথম, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম ও দ্বাদশ স্থানে মস্তল, শনি, রাহু অথবা অন্য পাপ গ্রহের অবস্থান হওয়া উচিত। আপনি অবশ্যই মাস্তলিক দোষমুক্তির পরেই বিবাহ করবেন।

তাহোলে আপনি ভালো স্বাস্থ্য ও মানসিক শান্তির অধিকারী হবেন এবং আপনার জীবনে সম্পদ এবং বিলাসিতার জোয়ার আসবে। আপনি অবশ্যই নিজের বাড়ী ও গাড়ীর অধিকারী হবেন।

কালসর্প যোগ

অগ্রে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গ্রহা।
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গ্রহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গ্রহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
১. অক্ষতু ২. কুলিক ৩. বাসুকি ৪. শংখপাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেয়নাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গ্রহ গুপ্ত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধ যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গ্রহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গ্রহে কিছু গ্রহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমূহুর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবাং উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।

[illegible][illegible]

- ১- গুণাবলি নবদ্রব্য নদভগ্নাংশ প্রজ্ঞাপ্রদর্শন স্তব দ্রবত জলাদ.স স প্রদ্রবাক্তসত্র স্তনবদ্রব্যট স্তব্রগণ.স স্তবদ্রব্য
 প্রসঙ্গসঙ্গবস্তুস্তুসঙ্গ, প্রজ্ঞাপ্রদর্শন
- ২- গুণাবলি নদভগ্নাংশ প্রজ্ঞাপ্রদর্শন স্তব দ্রবত জলাদ.স স প্রদ্রবাক্তসত্র স্তনবদ্রব্যট স্তব্রগণ.স স্তবদ্রব্য
 প্রসঙ্গসঙ্গবস্তুস্তুসঙ্গ, প্রজ্ঞাপ্রদর্শন
- ৩- গুণাবলি নদভগ্নাংশ প্রজ্ঞাপ্রদর্শন স্তব দ্রবত জলাদ.স স প্রদ্রবাক্তসত্র স্তনবদ্রব্যট স্তব্রগণ.স স্তবদ্রব্য
 প্রসঙ্গসঙ্গবস্তুস্তুসঙ্গ, প্রজ্ঞাপ্রদর্শন

॥ मंगल कुंडली में शनि का प्रभाव ॥

- पंचम भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।
- नवम भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।
- त्रिक भाव का स्वामी लग्न में स्थित है और उस पर शनि का प्रभाव है।

आपकी कुंडली में शनि और इन्द्र के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में सूर्य पितृदोष कारक ग्रह है अतः पिता के पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गायत्री जप, सूर्योपासना, आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ, आक की समिधा से हवन करें। रविवार को गाय या बैल को गेहूँ और गुड़ खिलाएं।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा क्रोधवश किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकर, छोटे भाईयों को दान देना चाहिए।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रग्विकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांड़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

হান্দু ॐ কব্ৰ

শুক্র

কুন্তরাশির তৃতীয়স্থানে রবির অবস্থানের ফলে আপনার ভালো মানসিক ক্ষমতার আভাষ দেয়। আপনি হিরো হবার বা নেতৃত্ব দেবার যোগ্য, আপনি আপনার কাজে পরিশ্রম এবং স্পষ্টবক্তা। আপনি ধর্মীয় এবং ভালো গুণ্ধপাঠে অনুরাগী। আপনার সহোদর বা জ্ঞাতি ভাই-বোন সকলে স্বভাবে ভালো, বিশ্বাসী এবং আপনার বাধ্য, সহযোগী। সাংসারিক সুখশান্তির জন্য আপনি ওদের দোষত্রুটি মাপ করে দেবেন এবং ভুলে যাবেন।

আপনার জন্মের সময় সূর্য তৃতীয়স্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য ভাল থাকবে। তিনি আপনাকে শক্তিশালী ও সাহসী করে গড়ে তুলবেন এবং সঠিক পথে চালনা করতে সহায়তা করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে শ্রদ্ধা ও মান্য করবেন এবং কিছু মতপার্থক্য ছাড়া আপনারা নির্বিঘ্নে জীবনযাপন করবেন। আপনি আপনার পিতাকে সর্বদা খুশী রাখার চেষ্টা করবেন। আপনারা একে অপরের প্রতি সৌভাগ্যবান বলে বিবেচিত হবেন।

চন্দ্র

প্রথমস্থানে চন্দ্রের অবস্থানের ফলে আপনি ভাগ্যবান হবেন যা দীর্ঘ এবং সফল জীবনযাপনে আপনাকে সাহায্য করে। আপনার খুব ছোট আঘাত লাগতে পারে যার প্রতি যত্নবান না হলে তা জটিল হয়ে ঊর্দ্ধ্বাধীপ্যবসি আপনার মু ত্ব অন্যকে প্রভাবিত করবে। এরফলে আপনি গর্ব অনুভব করবেন এবং বেশীরভাগ বিষয়ে আপনি যথেষ্ট তর্ক করবেন, আপনি মিষ্টভাষী কিন্তু জোরে কথা বলেন।

স্বাস্থ্য ও সম্পদের অধিকারী হয়ে আপনি রহস্য ও গুপ্তবিদ্যার প্রতি আগ্রহী হবেন। আপনি এগুলির উপর পড়াশুনা করবেন না। আপনি জ্ঞানার্জনের জন্য অনেক স্থানে ভ্রমণে যাবেন। যদি আপনি দিবাস্বপ্ন দেখার অভ্যাস থেকে মুক্ত না হন, একদিন হয়তো হতাশাগ্রস্ত হয়ে ভুগবেন।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্রের অবস্থান নির্দেশ করে যে আপনি অত্যন্ত বলবান হবেন।

আপনার জীবন আড়ম্বর ও বিলাসপূর্ণ হবে। আপনার কোনদিন বিত্তের অভাব হবে না এবং আপনি বরাবর আপনার মাকে কাছে পাবেন।

আপনার মা সর্বদা আপনাকে বাধ্য সন্তানরূপে পাবেন এবং আপনারা একে অন্যের প্রতি আস্থা বান হবেন। আপনার সাফল্যের পেছনে আপনার মায়ের বৃহৎ অবদান থাকবে।

মঙ্গল

মঙ্গল যদিও বশুগৃহে অবস্থান করে, কিন্তু তা আপনার আগ্রহকে এতোটা দমিয়ে দেয় যে আপনি শারিরিক মানসিক উভয়দিক থেকেই আক্রান্ত হতে পারেন। আপনার সমস্যা এমনও হতে পারে যে অন্যের কাছে তা বলতেও পারবেন না। তা চুপচাপ সহ্যে হবে। পুরোপুরি একটা কষ্টময় দিকের ভবিষ্যত বানী করে।

যদিও আপনার বেশীরভাগ সমস্যার মূল কারন যা তা হল যতটা সম্ভব প্রেমের ব্যাপার থেকে সরে থাকা এবং যৌনসম্ভোগ আয়ত্বে আনতে হবে। গৃহগত কুপ্রভাব থেকে মুক্ত হতে আপনি ধার্মিক হতে পারেন এবং আধ্যাত্মিক ও গুপ্তবিদ্যায় নিজেকে নিয়োজিত করবেন।

শিশুটির জন্ম সময়ে প্রথম ঘরে মঙ্গলের অবস্থান ছিল, যা ইংগিত করে যে তার ভাই ও বোনদের স্বাস্থ্য ঠিকঠাক থাকবে। কিন্তু তারা মাঝে মাঝে দৈহিকভাবে দুর্বল ও অসুস্থ অনুভব করবে।

সে তার ভাই বোনদের ভালোবাসবে কিন্তু তাদের মধ্যে মাঝে মাঝে বিবাদ হবে। খুব শীঘ্র তাদের সবকিছু স্বাভাবিক হয়ে যাবে।

বুধ

মীনরাশির চতুর্থস্থানে বুধ বক্রী হওয়ায় মায়ের সঙ্গে আপনার সম্পর্ক ভালো নাও হতে পারে। পৈতৃকসম্পত্তির অধিকার অর্জনও বিশেষ সহজ হবে না, কারন এই সম্পত্তি নিয়ে অনেক বিতর্ক ও সমস্যা থাকবে। সুন্দর গৃহের জন্য এক ঘর থেকে অন্য ঘরে খুঁজে বেড়াবেন সেই সুন্দর গৃহও আপনি আশা করতে পারেন না।

যেহেতু আপনার শিক্ষাগত যোগ্যতা থাকবে না তাই জমির কারবার, ফুলের বাগান, কো-অপারেটিভ কিংবা স্থাপত্য সংক্রান্ত পেশাকে বেছে নিতে পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে, যেহেতু এইসব বিষয়ে আপনি আগ্রহী। আপনার জীবনে সফলতা দেরী করে আসবে।

বৃহস্পতি

তুলারাশির একাদশস্থানে বৃহস্পতির অবস্থানের ফলে আপনার আশা আকাংক্ষা পূর্ণ হবে। যারা শিক্ষকতা জ্যোতিষী এবং ব্যাঙ্ক চাকুরীতে, তারা অর্থনৈতিক ভাবে ভাল করবেন।

ধনুलग्न যদিও ইংগিত করে যে বড়বোনদের সঙ্গে আপনার ভাল সম্পর্ক থাকবে, একাদশস্থানে বৃহস্পতি এর বিপরীত ফল দেয় এবং এর বদলে বড়ভাইদের কাছ থেকে আপনি বেশী উপকৃত হবেন যারা আপনার সঙ্গে ঘনিষ্ঠ থাকবে।

আপনার বন্ধুর বিস্তৃতি অনেক বড় হবে এবং তাদের কাছে আপনি সহযোগীতার আশা করতে পারেন। আপনার বন্ধুরা খুব উচ্চশিক্ষিত হবেন। সমাজে আপনি অনেক শিক্ষিত এবং ব্যবসায়ীর সংস্পর্শে আসবেন।

শুক্র

মীনরাশির চতুর্থস্থানে শুক্র বক্রী হওয়ায় সম্ভবত আপনার পিতামাতার স্বাস্থ্য খারাপ থাকবে। আপনি মা বাবাকে গভীরভাবে ভালবাসেন এবং আপনি তাদের প্রতি ভীষন বিশ্বাসী হবেন। পরবর্তী জীবনে আপনার গলায় এবং শ্বাসনালীতে রোগ হতে পারে।

পৈতৃকসম্পত্তির এক বিরাট অংশ আপনি উত্তরাধিকার সুত্রে পাবেন, যার দ্বারা আপনি

রাজকীয়ভাবে জীবনযাপন করতে পারবেন। আপনার শিক্ষাগত যোগ্যতা এমন হবে যে লেখক হয়ে জীবনকে উজ্জ্বল করে তুলতে পারবেন। গৃহনক্ষত্র সংক্রান্ত জ্ঞানের দিকেও আপনি গভীর আগ্রহী হবেন।

শনি

ধনুরাশিতে শনির অবস্থান ভাল ও মন্দ ফল মিলিয়ে মিশ্রফল দেয়, তবে খারাপের চেয়ে ভালটাই বেশী হবে। একটি সমস্যা দেখা যাচ্ছে তাহোল আপনার দেহের কোন অঙ্গে খুঁত আসতে পারে। যদি তা হয় তাহলে আপনি অবশ্যই এ ব্যাপারে দৃষ্টিশক্তিগ্ৰস্ত হবেন এবং উদাস হয়ে যাবেন। তবে এইনিজে আপনার অধিক চিন্তার প্রয়োজন নেই, এর ক্ষতিপূরণ হিসাবে আপনার অগাধ সম্পত্তি এবং মানিয়ে চলার মতো যোগ্য জীবনসাথী এবং সন্তান হবে।

আপনার স্বভাবে পরিবর্তন দেখা দেবে, তাতে আপনার কোন হাত নেই। মোটামুটি বুদ্ধিমান হিসাবে আপনি অনুভব করবেন যে ভাগ্য আপনার সহায়ক। ফলে আপনি ধনী হবেন এবং সকলের প্রতি সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবেন। এভাবে অন্যকে সাহায্য করে আপনি আনন্দিত হবেন।

রাহু

কর্কটরাশির অষ্টমস্থানে রাহুর অবস্থানের ফলে গুপ্তবিদ্যায় আপনার কোন আগ্রহ নেই। একারণে যারা গুপ্তবিদ্যায় আগ্রহী তাদের ভ্রামিতে আপনি বিরক্ত হতে পারেন। তারা আপনার প্রতি ব্যঙ্গ-বিদ্রুপ, টিপ্পনিও কাটতে পারে যা আপনাকে খুব কষ্ট দেবে এবং তা সত্ত্বেও গুপ্তবিদ্যার প্রতি আপনার অনীহা থাকবে এবং কঠিনভাবে এসবের প্রতি বিরোধীতা প্রদর্শন করবেন। উত্তরাধিকার নিয়েও সমস্যা থাকবে এবং সম্পত্তি পেতে আপনি মামলা করবেন। কিন্তু আপনি হেরে যাবেন এবং আদৌ কোন সম্পত্তি আপনার হবে না।

আপনি স্বশ্রুবাড়ী থেকে কোন পণ পাবেন না এবং এর ফলে ভুল বোঝাবুঝির সৃষ্টি হবে। তাছাড়া এই পণ পেলে বিয়ের পর আপনার ঘর-খরচা চালাবার অনেক সুবিধা হোত।

নিজের এবং আপনার সম্পদের বীমা করিয়ে নেবার উপদেশ দেওয়া হচ্ছে। যেহেতু চুরি-ডাকাতি এবং দুর্ঘটনা ঘটান সমুহ ইংগিত আছে। আপনার আয়ু সাধারণ মানের হবে। দুর্ঘটনায় আপনার মৃত্যু হতে পারে।

কেতু

মকররাশির দ্বিতীয়স্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে ইংগিত করে যে অর্থকরী ব্যাপারে আপনি কিছু অসুবিধার মধ্যে পড়বেন। উপরে উঠবার জন্য আপনি অনেক প্রচেষ্টা চালাবেন। অর্থকরী ব্যাপারে আপনার লিখতে ও জানতে খুব আগ্রহ থাকবে। সর্বদা আপনি অর্থ যোগাতে অথবা উপার্জনে ব্যস্ত থাকবেন। তা সত্ত্বেও আপনার অর্থাত্ম থাকবে এবং প্রয়োজনীয় কাজে আপনি ধার করবেন। এভাবে আপনি দেনায় পড়বেন। কঠিন সংগ্রাম এর মধ্যে দিয়েই উন্নতির আভাস।

দৈহিক, ব্যক্তিত্ব এবং স্বভাব

আপনার জন্মলগ্নে ধনুরাশির অবস্থান ইংগিত করে যে আপনি একজন সুন্দর, আকর্ষণীয় ব্যক্তি এবং মাপসই দৈহিক চেহারার হবেন যা অন্যের উপর প্রচণ্ড প্রভাব ফেলবে। লম্বা, পাতলা, চওড়া কপাল ও ডিম্বাকৃতি মুখের গড়ন যাতে একজোড়া নজর কাড়া চোখ থাকবে, এসব আপনাকে সুদর্শন রূপে গন্য করতে সহায় হবে। জীবনে বেশীরভাগ সময়েই আপনি সুস্বাস্থ্যের অধিকারী থাকবেন, কিন্তু মাঝবয়স পার হলে আপনাকে সচেতন থাকতে হবে।

আপনি দীর্ঘায়ু বাদেই বৈধব্যে পড়বেন। ত্রিফল দিকটা না দেখেই। তেজিয়াল এবং উদ্যমী হয়ে জীবনে গতিময়তা দেবেন। আপনার বন্ধুত্বের পরিচিতি অনেকটা বিস্তার ঘটাবেন, বিশেষ করে বিদেশী বন্ধুদের সঙ্গে যার উপর আপনার বেশী আগ্রহ থাকবে। স্বভাবে আপনি লাজুক নন বরঞ্চ বেশ আগ্রাসী। আসলে প্রতিকূল অবস্থায় আপনি ভীষন ক্রোধ দেখান এবং বিষয়কে সঠিকভাবে নিজের অনুকূলে নিয়ে আসেন। এমনকি জাগতিক বস্তুতে ব্যস্ত থাকলেও আপনি ধর্ম ও দর্শনের প্রতি জ্ঞানার্জনের জন্য ঝুঁকি পড়বেন যা আপনাকে এই বিষয়ে পড়াশুনায় আগ্রহী করবে।

যাহোক কিছু নেতিবাচক দিক আছে, যে দিকে আপনার নজর দেয়া দরকার। নিজের স্বাধীন মনোভাবের জন্য আপনি মা-বাবা, ভাই-বোনেদের থেকে সরে যাবেন। বাইরে যথেষ্ট সময় নষ্ট করলে জীবনসার্থী এবং সন্তানদের জন্য প্রয়োজনীয় সময় দিতে অক্ষম হবেন। পরিবারের দিকে সমতা রাখার জন্য সচেতন হোন যাতে পরিবারের সদস্যরা পরিত্যক্ত অনুভব না করে।

মঙ্গল যদিও বন্ধুগৃহে অবস্থান করে, কিন্তু তা আপনার আগ্রহকে এতোটা দমিয়ে দেয় যে আপনি শারিরিক মানসিক উভয়দিক থেকেই আক্রান্ত হতে পারেন। আপনার সমস্যা এমনও হতে পারে যে অন্যের কাছে তা বলতেও পারবেন না। তা চুপচাপ সহ্যে হবে। পুরোপুরি একটা কষ্টময় দিকের ভবিষ্যত বানী করে।

যদিও আপনার বেশীরভাগ সমস্যার মূল কারন যা তা হল যতটা সম্ভব প্রেমের ব্যাপার থেকে সরে থাকা এবং যৌনসন্তোগ আয়ত্রে আনতে হবে। গৃহগত কুপ্রভাব থেকে মুক্ত হতে আপনি ধার্মিক হতে পারেন এবং আধ্যাত্মিক ও গুপ্তবিদ্যায় নিজেকে নিয়োজিত করবেন।

ঐশ্বর্য, পরিবার, চক্ষু ও কণ্ঠস্বর

দ্বিতীয়স্থানের অধিপতি শনি ইংগিত করে যে আপনি অন্যের উপর নির্ভরশীল হয়ে সফলতার আশা করেন না, অলস কথায় সময় নষ্ট করেন না। আপনাকে অন্যরা সহজে বোকা বানাতে পারবে না। আপনি শান্ত ও ভদ্রভাবে চলেন। বাক্চতুর যে কোন লোককে আপনি তাড়াতাড়ি বন্ধু বানাতে পারেন। আপনি প্রত্যেককে দীর্ঘসময় ধরে বাজিয়ে নেন। তবেই তার সঙ্গে সহায়ী বন্ধুত্ব করেন। আপনি সব কিছুকেই বাস্তব উদ্দেশ্যে ব্যবহার করেন। সুতরাং আপনার সম্পদ, মূল্যবান গয়নাগাটি, পাথর এবং অন্যান্য মূল্যবান বস্তু থাকবে। আপনি আপনার পরিবারকে ভালবাসেন, কিন্তু তা প্রকাশ করেন না। পরিবারের সদস্যরা ভুল করতে পারে যে তাদের সঙ্গে আপনার নিরুত্তাপ সম্পর্ক। পরিবারে হই-হল্লা, ঝগড়া আপনি অপছন্দ করেন, শান্ত পরিবেশ পছন্দ করেন। আপনার পরিবারের সদস্যরা আপনাকে বুঝতে ভুল করতে পারে। বাস্তববাদী হয়ে আপনি সম্পদ, মূল্যবান অলঙ্কার, দামী পাথর এবং অন্য মূল্যবান বস্তু অর্জন করবেন।

আপনি ভাল মিষ্টি এবং বিভিন্ন নোনতা খাবার পছন্দ করেন। আপনি সুষ্ম ও স্বাস্থ্যসম্মত আহার গ্রহণ করা পছন্দ করেন।

আপনি মঙ্গলদায়ক শুভ অনুষ্ঠান পালন করতে ইচ্ছুক হবেন। চোখের অসুখ থেকে সাবধান থাকুন। চোখের জ্বালায় কষ্ট পেতে পারেন। জীবনের পরবর্তী সময়ে বাঁ-চোখে সংক্রমন হতে পারে।

মকররাশির দ্বিতীয়স্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে ইংগিত করে যে অর্থকরী ব্যাপারে আপনি কিছু অসুবিধার মধ্যে পড়বেন। উপরে উঠবার জন্য আপনি অনেক প্রচেষ্টা চালাবেন। অর্থকরী ব্যাপারে আপনার লিখতে ও জানতে খুব আগ্রহ থাকবে। সর্বদা আপনি অর্থ যোগাতে অথবা উপার্জনে ব্যস্ত থাকবেন। তা সত্ত্বেও আপনার অর্থান্ধ থাকবে এবং প্রয়োজনীয় কাজে আপনি ধার করবেন। এভাবে আপনি দেনায় পড়বেন। কঠিন সংগ্রাম এর মধ্যে দিয়েই উন্নতির আভাস।

মাতা, যানবাহন, সম্পত্তি, শিক্ষা

চতুর্থস্থানে মীনরাশির অবস্থানকালীন আপনার জন্ম হওয়ার ফলে মোটের উপর প্রাচুর্য ও আনন্দময় জীবনের ইংগিত দেয়। তাহলেও আপনি নিরর্থক আশার উপর ভরসা করে থাকলে, পূর্ণতায় পৌছতে পারবেন না।

আপনার মাকে ধন্যবাদ দেওয়া উচিত, যিনি সন্তানের উন্নতির পিছনে আত্মত্যাগ করেছেন। তিনি এক বুদ্ধিমতী মহিলা, যিনি সনাতনপন্থী নন, যাঁর উন্নত চিন্তাধারা আছে, যিনি আপনাকে স্বাবলম্বী হতে শেখাবেন এবং আত্মবিশ্বাসী করে আপনাকে নিজের পেশার দিকে এগিয়ে দেবেন। তিনি সংসারকে সুন্দর ভাবে গড়ে তুলতে প্রয়োজনীয় পরিবেশ তৈরী করে সদা সর্বদা পরিচ্ছন্নতা বজায় রাখবেন।

উচ্চশিক্ষার ক্ষেত্রে স্নেহোত্তীর্ণাঙ্গীকৃত অংশ হয়তো আপনি বিক্রি করে দেবেন অথবা নিজ প্রয়োজনে তার কিছু অদলবদল ঘটাবেন। বাসস্থানের ব্যাপারে আপনি ভাগ্যবান, এটা নিশ্চিত যে আপনি কোন অঞ্চলের কেন্দ্রস্থলে একটা সুন্দর বাড়ীর অধিকারী হবেন। যেহেতু আপনার নিজস্ব গাড়ী থাকার সম্ভাবনা আছে, তাই যাতায়াতের জন্য আপনাকে কোন কষ্টভোগ করতে হবে না।

আপনি নিঃসন্দেহে একজন বুদ্ধিমান ব্যক্তি এবং আপনি সুশিক্ষা অর্জন করবেন, কিন্তু সমস্যা হলো যে আপনি অস্থিরচিত্তের এবং হয়তো উচ্চশিক্ষার দিকে এগোলেনই না। আপনার বয়ঃজ্যেষ্ঠদের কাছ থেকে পরামর্শ নিয়ে অঙ্ক, হিসাবশাস্ত্র কিম্বা বিজ্ঞানে উচ্চশিক্ষা অর্জনে এগোনো উচিত, কারন এই বিষয়েই আপনার আগ্রহ আছে। পাশাপাশি আপনি ধর্ম ও গুপ্তশাস্ত্রেও জ্ঞানার্জন করবেন। যতো বয়স বাড়বে, গুপ্তবিদ্যায় আপনি এতই গুপ্তাদ হয়ে উঠবেন যে অনেকেই আপনার শিষ্যত্ব গ্রহন করবে।

বৈভবের জীবনে অভ্যস্ত হয়ে মদ এবং সিগারেটের প্রতি আসক্ত হওয়াটা অস্বাভাবিক নয়। যদি এসবের দিকে না এগোন তবে আপনার স্বাস্থ্যগত কোন সমস্যাই হবে না। নতুবা ডায়াবিটিস এবং ফুসফুসের কণ্টে আক্রান্ত হতে পারেন।

বুদ্ধি, সন্তান, প্রেম ও প্রণয়

পঞ্চম স্থানার্ধিপতি মঙ্গলের অবস্থানের ফলে আপনি বুদ্ধিমান হবেন। শেখার প্রতি আপনার আগ্রহ থাকবে। উচ্চশিক্ষা আপনার জীবন সোপানকে মজবুত করবে। সব ব্যাপারেই আপনি মুখ্য ভূমিকা নিতে চান।

আপনি ভীষণ মনখোলা এবং এমনকি ভালবাসার ক্ষেত্রেও আপনি খুব উৎসাহী। আপনার ভাল স্ববস্ত্রাবহা মুবিপরীত লিঙ্গকে আকর্ষণ করে। আপনি বাস্তবের সঙ্গে ভাল মিলিয়ে চলেন এবং প্রেমে স্বাধীনতা ও রোমাঞ্চ চান এবং ভালবাসাকে জিইয়ে রাখেন। আপনি সুন্দর, বুদ্ধিমান এবং সং জীবনসাথী পছন্দ করবেন।

আপনার সন্তানসংখ্যা সীমিত হবে। একটা পুত্র সন্তানের জন্য আপনি খুব দুশ্চিন্তায় থাকবেন। জীবনসাথী এবং সন্তানদের আপনি খুব ভালবাসেন কিন্তু কর্মব্যস্ততার নিয়মে আবদ্ধ হয়ে তাদের জন্য হয়ত যথেষ্ট সময় দিতে পারবেন না।

আপনি উচ্চশিক্ষায় আগ্রহী। আপনি সনাতন রীতি-নীতি বা নিয়মকানুন অস্থবিশ্বাসে মেনে চলবেন না। এটা বিশ্বাস করা যায় যে আপনার পূর্বজন্মের শুভ কর্মফলেই আজকের সুখীজীবন যাপন।

পাকস্হলী সংক্রান্ত সমস্যা থেকে নিজেকে সামলে রাখুন। অম্বল, বুকজ্বালা এবং পাকস্হলী সমস্যা এড়াতে সুষম এবং পরিমাপ আহার গ্রহন করা উচিত।

জীবনসঙ্গী, বিবাহ ও অংশিদার

আপনার জন্মলগ্নের সপ্তমস্থানে মিথুন রাশির উদয়ে সাধারণভাবে যে আভাস পাওয়া যাচ্ছে তাহোল আপনার বৈবাহিক জীবন সুখের এবং উন্নতিময় হবে। আপনার মিষ্টি হাসি এবং উপস্থিতি বুদ্ধির এমন এক আকর্ষণীয় গুণ আছে, যার জন্য কেবল আপনার জীবনসঙ্গীই নয়, আপনার বন্ধুরাও আপনাকে ভালবাসবে। অন্যের কাছে আপনার বেশী জনপ্রিয়তার কারণে আপনি ঘরের থেকে বাইরেই বেশী সময় কাটানো পছন্দ করেন।

সংসারের পরিবেশকে আপনি সুন্দরভাবে সামলে নিতে পারেন। আপনি অযথা জীবনসঙ্গীর ব্যাপারে নাক গলান না এবং সন্তানদের সঙ্গে বন্ধুর মত ব্যবহার করেন। যখনই কোন মতবিরোধ, যদিবা সৃষ্টি হয়, আপনি তা বুদ্ধি করে সামলে নেন এবং সকলের সুবিধামত করে তা মিটিয়ে নেন। যে ভাবেই হোক কদাচ হয়তো আপনার জীবনসঙ্গী মাথা গরম করবেন এবং বেশ উগ্রমূর্তি ধারণ করবেন, কিন্তু যেহেতু আপনি কঠিন নন এবং নমনীয়, আপনি অবস্থার সঙ্গে তাল রেখে এমনভাবে তার সঙ্গে নিজেকে মানিয়ে নেবেন যাতে করে সবকিছু ভাল ভাবে চলে। আপনার সুন্দর ব্যবহারের জন্যই আপনার জীবনসঙ্গীর রাগ বেশীক্ষণ থাকে না।

সংসারের প্রতি আবদ্ধতা সত্ত্বেও আপনি ব্যক্তিগত স্বাধীনতায় হস্তক্ষেপ পছন্দ করেন না, এর আরো কারন হল আপনার কাজকর্ম ঘরের চার দেওয়ালে আবদ্ধ নয়। সম্ভবত এ কারনেই আপনার জীবনে ঋজুপনেক আগেই আসবে।

সবকিছুতে সবসময় সুযোগ খোঁজা আপনার স্বভাব। একারণে আপনি আপনার চাকুরী বা পেশার বদল করেন এবং ভাগ্যবশতঃ তা আপনার কাছে ফলদায়ক হবে।

পিতা, জীবিকা, মর্যাদা ও ক্ষমতা

যাদের জন্মলগ্নের দশমস্হানে কন্যারশি অবস্থান করে পেশা হিসাবে তাদের সব থেকে যোগ্য হোল রাজনীতি। যদি পূর্ণ সময়ের জন্য যোগদান সম্ভব নাও হয়, তাহলেও আপনি রাজনৈতিক ব্যক্তির কাছ থেকে ভালভাবে উপকৃত হবেন। এটাই যে আপনার একমাত্র উপযুক্ত তা নয়, অন্য আরো অনেক পেশা আছে, যাথেকে আপনি বেছে নিতে পারবেন। এর মধ্যে জনবক্তা, ব্যাঙ্ক কর্মচারী, শিক্ষক, পুস্তক প্রকাশনা এবং গ্রন্থনা, ধর্মীয় ও শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের সঙ্গে গভীর যোগাযোগ অথবা গুপ্তবিদ্যা ইত্যাদিও পেশা হিসাবে নিতে পারেন। কোম্পানী-আইন, প্রযুক্তি বিদ্যা, বিদেশে চাকুরী অথবা সরকারী ঠিকা ব্যবসা ইত্যাদিও গ্রহন করতে পারেন।

চাকুরীর বদলে ব্যবসাকে গ্রহন করাটা আপনার আগ্রহের ব্যাপার, কারন কেনা-বেচায় যুক্ত থাকা, আমদানী-রপ্তানী, মূল্যবান সামগ্রী অথবা প্রযুক্তিগত বস্তুর ব্যবসায়ে আপনার ভালো সফলতার ইংগিত রয়েছে।

সরকারী সংস্থার সহায়তা লাভে আপনি আশাবাদী। যদি এটাকে পছন্দ করেন তবে সরকারী চাকুরী গ্রহন করতেপারেন যাতে আপনি স্বীকৃতি লাভ করবেন এবং পুরস্কৃত হবেন। যদি কোন মামলা-মোকদ্দমায় জড়িয়ে পড়েন তবে অধিক চিন্তার দরকার নেই, কারন তাতে আপনি সফল হবেনই।

বাবার বেশ কিছু গুন আপনি পাবেন। তিনি একজন কর্মঠ এবং তৎপর ব্যক্তি, যিনি তার কাজের ব্যাপারে সতর্ক থাকেন এবং বাস্তবতার সঙ্গে তা সমাধা করেন। একই সঙ্গে তার অন্যের ভুল-ত্রুটি খুঁজে বার করে তা শুধরে দেবার ক্ষমতা আছে। এর অনেকটা বৈশিষ্ট্য আপনার মধ্যে আছে।

ফলাদেশ - 2026

বৃহস্পতি অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে এই সময়টি আপনার পক্ষে সাধারণভাবে শুভ। আপনার শারীরিক ও দৈহিক সুস্থতা বজায় থাকবে এবং অধিক পরিশ্রম ও আত্মপ্রত্যয়ের দ্বারা আপনি সমস্ত কাজ সুষ্ঠুভাবে সম্পন্ন করতে পারবেন। শত্রুপক্ষ আপনার ক্ষতিসাধনে ব্যর্থ হবে। ব্যবসা, রাজনীতি, কর্মক্ষেত্রে আশানুরূপ সাফল্য পাবেন এবং জ্যোতিষশাস্ত্র, তন্ত্র ও মন্ত্রের প্রতি আপনি আকৃষ্ট হবেন। আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে এবং সমাজে সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন।

শনি চতুর্থস্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছর আপনার সার্বিকভাবে শুভ এবং উন্নতির অনেক সুযোগ পাবেন। কর্মক্ষেত্রে বা রাজনৈতিক ক্ষেত্রে আপনার আত্মসন্তুষ্টি আসবে। বন্ধুবান্ধব এবং আত্মীয়স্বজনের কাছ থেকে আপনি পূর্ণ সহযোগীতা পাবেন। প্রচুর অর্থোপার্জনের ফলে আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনি নতুন কোন কর্মের সঙ্গে যুক্ত হবেন এবং গৃহ বা সম্পত্তি বিক্রয় করবেন। এই ব্যাপারে আপনি সাময়িক ভাবে অসুবিধার সম্মুখীন হলেও ভবিষ্যতে অত্যন্ত লাভবান হবেন। শনির প্রভাবে আপনি মানসিক দিক থেকে অত্যন্ত কষ্ট পাবেন। এর থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য আপনাকে নীলা ধারণ করতে হবে।

রাহ তৃতীয়স্থানে এবং কেতু নবমস্থান অতিক্রম করার ফলে আপনি পারিবারিক আনন্দ থেকে বঞ্চিত হবেন। আপনি শারীরিক দিক থেকে সুস্থ থাকলেও মানসিক অসন্তোষের সৃষ্টি হবে। আপনাকে সাফল্য লাভের জন্য কঠোর পরিশ্রম করতে হবে। অধিক ব্যয়ের শত্রুপক্ষ আপনার ক্ষতিসাধনে ব্যর্থ হবে। এই বছর আপনার পারিবারিক শান্তি বজায় থাকবে। নানাদিক থেকে অর্থপ্রাপ্তির ফলে আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। কঠোর পরিশ্রম ও আত্মপ্রত্যয়ের দ্বারা আপনি সাফল্য লাভ করবেন। কেতু নবমস্থানে অবস্থান হেতু আপনাকে সাফল্য লাভের জন্য অধিক পরিশ্রম করতে হবে।

রবি রের মহাদশায় বৃহস্পতি রের অন্তর্দর্শা ০৫/০৭/২০২৬ তে শেষ হবে। তার পর শনি রের অন্তর্দর্শা আরম্ভ হবে। বৃহস্পতি একাদশ ভাবে তুলা রাশিতে স্থিত আছে, যদিও শনি প্রথম ভাবে ধনু রাশিতে স্থিত আছে।

বৃহস্পতির অন্তর্দর্শা হেতু আপনার জীবনে সুযোগ কম আসবে। বন্ধুদের কাছ থেকে সহযোগীতা পাবেন না। আপনি কোন নতুন চুক্তিতে আবদ্ধ হবেন যা আপনার ক্ষতির কারণ হবে। ব্যবসার ক্ষেত্রে আশানুরূপ ফল পাবেন না। এবং ব্যবসা বৃদ্ধিও এই সময় অসম্ভব। চাকুরীজীবীদের কর্ম পরিবেশ জটিল হয়ে পড়বে এবং পদোন্নতির কোন সম্ভাবনা নেই। গৃহ শান্তি বিদ্বিষ্ট হবে এবং বিবাহ পরিকল্পনা ব্যর্থ হবে। যাইহোক, যাত্রা আপনার পক্ষে ফলপ্রসূ।

শনির অন্তর্দর্শায় আপনাকে আশানুরূপ ফল লাভের জন্য অত্যধিক প্রচেষ্টা করতে হবে। ফল লাভে দেরী ও বাধা আপনাকে আশাহত করবে। আশানুরূপ ফল পেতে আপনার ব্যবসা পিছিয়ে পড়বে। আর্থিক সমস্যাও হতে পারে। যদি চাকুরীরত হন তবে কর্মক্ষেত্রে পরিস্থিতির অবনতি হতে পারে। কাজের চাপ বেড়ে এমন অবস্থায় পৌঁছাতে পারে যে আপনি ভেঙ্গে পড়তে পারেন। পারিবারিক বাতাবরণ শান্তিপূর্ণ নাও হতে পারে এবং পারিবারিক সদস্যগণের মধ্যে অসৌহার্দ্যতা নির্দেশিত। যতদূর সম্ভব কোনও নতুন বিনিয়োগ করা উচিত নয়।

ফলাদেশ - 2027

বৃহস্পতি নবম স্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার উন্নতির সহায়ক এবং অন্যান্য দশা ও গ্রহের সুপ্রভাবের ফলে আপনি আশাতীত সাফল্য পাবেন। কর্মরত মহিলাদের কর্মক্ষেত্রে পদোন্নতির সম্ভাবনা আছে এবং নতুন কোন ব্যবসা আরম্ভের পরিকল্পনা করবেন। আপনার সামাজিক সম্মান বৃদ্ধি পাবে এবং আকস্মিক ভাগ্য পরিবর্তনের ফলে আপনি কোন গুরুত্বপূর্ণ কাজে সাফল্য লাভ করবেন। ধর্মীয় ব্যাপারে আগ্রহী হয়ে আপনি ধর্মীয় অনুষ্ঠানে যোগদান করবেন। আপনার শারীরিক ও মানসিক সুস্থতা বজায় থাকবে এবং অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে।

শনি পঞ্চমস্থান অতিক্রম করার ফলে আপনার দৈহিক ও মানসিক সুস্থতা বজায় থাকবে। আপনি সর্বপ্রকার গুরুত্বপূর্ণ কাজগুলি আত্মপ্রত্যয়ের দ্বারা সম্পন্ন করবেন এবং সমাজে গুরুত্বপূর্ণ ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন। নানাদিক থেকে অর্থপ্রাপ্তির ফলে আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনার সন্তানের নিজ নিজ কর্মক্ষেত্রে সাফল্য আপনাকে সন্তুষ্টি এনে দেবে। আপনি এবং আপনার জীবনসংগিনী উভয়েই সমাজে সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন। আপনি নানাদিক থেকে সাফল্য পাবেন এবং প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শ লাভ করবেন। আপনার আকস্মিক প্রাপ্তি যোগ হবে। সুতরাং এই সময়টি যথোপযুক্ত কাজে লাগানোর চেষ্টা করুন।

এই বছরে রাহু আপনার জন্মরাশির দ্বিতীয়কক্ষে এবং কেতু অষ্টমকক্ষে প্রবেশ করবে। এর প্রভাবে আপনার সময় গড়পড়তা যাবে। আপনার গৃহ পরিবেশ থাকবে মোটামুটি শান্তিপূর্ণ, আপনার পরিবারের সদস্যদের কাছ থেকেও পূর্ণ সহযোগিতা পাবেন। আপনি শারীরিক দিক থেকে এবং মানসিক দিক থেকে শান্তিতে থাকবেন। আপনি জীবন সম্পর্কে খুবই সচেতন। এই বছরটি আপনার অর্থনৈতিক দিক থেকেও খুব গুরুত্বপূর্ণ, অর্থ আগমনের রাস্তাও থাকবে সুপ্রশস্ত। আপনি আরো সম্পত্তিও লাভ করতে পারেন। এই সময়ে আরোও ভাল ফল লাভের জন্য সচেতন থাকুন।

রবি রের মহাদশায় শনি রের অন্তর্দর্শা ১৭/০৬/২০২৭ তে শেষ হবে। তার পর বুধ রের অন্তর্দর্শা আরম্ভ হবে। শনি প্রথম ভাবে ধনু রাশিতে স্থিত আছে, যদিও বুধ চতুর্থ ভাবে মীন রাশিতে স্থিত আছে।

শনির অন্তর্দর্শায় আপনার কিছু পরিকল্পনা সাকার হবে। আপনি ব্যবসায়ে ভাল করবেন। যদি আপনি চাকুরীরত হন আপনার কাজের পরিস্থিতিতে ভাল রকম উন্নতি হবে। আপনার উর্দ্ধতন ব্যক্তিগণের সহিত আপনার সুসম্পর্ক থাকবে। আর্থিক অবস্থার উন্নতি হবে। এই সময়ে আপনি খুব সামান্য পরিশ্রমে অনেক বেশী লাভ করতে পারবেন। আপনার বন্ধুরা পূর্ণ সহযোগিতা করবে। ভ্রমণ আপনার সৌভাগ্য আনবে। কিন্তু এই কালের শেষ ভাগ প্রথম ভাগের মত ততটা ভাল হবে না।

বুধের অন্তর্দর্শা হেতু নির্দেশিত করে যে আপনি মিশ্র ফললাভ করবেন কিন্তু ভাল ফল বেশী পাবেন। এই সময়ের প্রথমার্ধে আপনি ভাল ফল নাও পেতে পারেন। কিন্তু শীঘ্রই দ্বিতীয়ার্ধে আপনি সন্তোষজনক ফললাভ করবেন। চাকুরীরত হলে আপনার চাকুরীক্ষেত্রের পরিস্থিতির ভালোরকম উন্নতি হবে। চাকুরীর চেষ্টা বাস্তবায়িত হবে। পারিবারিক আবহাওয়া ভাল থাকবে এবং পরিবারের সদস্যগণের মধ্যে সৌহার্দ্যতা থাকবে। আপনার অনেক প্রভাবশালী ব্যক্তির সাথে যোগাযোগ হবে এবং এগুলি লাভপ্রদ প্রমাণিত হবে। আপনাকে ঘন ঘন যাত্রা করতে হতে পারে যেগুলি আপনার জন্য নবদিগন্ত খুলে দেবে।

ফলাদেশ - 2028

বৃহস্পতি নবম স্হান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার উন্নতির সহায়ক এবং অন্যান্য দশা ও গ্রহের সুপ্রভাবের ফলে আপনি আশাতীত সাফল্য পাবেন। কর্মরত মহিলাদের কর্মক্ষেত্রে পদোন্নতির সম্ভাবনা আছে এবং নতুন কোন ব্যবসা আরম্ভের পরিকল্পনা করবেন। আপনার সামাজিক সম্মান বৃদ্ধি পাবে এবং আকস্মিক ভাগ্য পরিবর্তনের ফলে আপনি কোন গুরুত্বপূর্ণ কাজে সাফল্য লাভ করবেন। ধর্মীয় ব্যাপারে আগ্রহী হয়ে আপনি ধর্মীয় অনুষ্ঠানে যোগদান করবেন। আপনার শারীরিক ও মানসিক সুস্থতা বজায় থাকবে এবং অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে।

শনি পঞ্চমস্হান অতিক্রম করার ফলে আপনার দৈহিক ও মানসিক সুস্থতা বজায় থাকবে। আপনি সর্বপ্রকার গুরুত্বপূর্ণ কাজগুলি আত্মপ্রত্যয়ের দ্বারা সম্পন্ন করবেন এবং সমাজে গুরুত্বপূর্ণ ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন। নানাদিক থেকে অর্থপ্রাপ্তির ফলে আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনার সন্তানের নিজ নিজ কর্মক্ষেত্রে সাফল্য আপনাকে সন্তুষ্টি এনে দেবে। আপনি এবং আপনার জীবনসংগিনী উভয়েই সমাজে সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন। আপনি নানাদিক থেকে সাফল্য পাবেন এবং প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শ লাভ করবেন। আপনার আকস্মিক প্রাপ্তি যোগ হবে। সুতরাং এই সময়টি যথোপযুক্ত কাজে লাগানোর চেষ্টা করুন।

রাহু প্রথমস্হানে অবস্থান হেতু এই বছর সামগ্রিক ভাবে আপনার পক্ষে শুভ। এই সময়ে আপনি শারীরিক এবং মানসিক যন্ত্রণায় কষ্ট পেতে পারেন। আপনার স্ত্রীর সঙ্গে সুসম্পর্ক বজায় থাকবে এবং বিবাহিত জীবন সুখময় হবে। কিন্তু আপনি দৈহিক দিক থেকে অসুস্থ হয়ে পড়তে পারেন। আপনার অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনি কর্মক্ষেত্রে সাফল্য পাবেন এবং সমাজে আপনি সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি লাভ করবেন। আপনি পুরোনো বন্ধুবান্ধব ত্যাগ করবেন এবং নতুন কোন চুক্তিতে আবদ্ধ হবেন যা আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভজনক।

রবি মহাদশা ২৩/০৪/২০২৮ তে শেষ হবে এবং বাকী সময় চন্দ্র এর মহাদশা আরম্ভ হবে। এরা আপনার জীবনে পরিবর্তন দেখাচ্ছে। এই বছরের রবি মহাদশায় বুধ এর অন্তর্দশা আরম্ভ হোচ্ছে। রবি এর মহাদশায় কেতু এর অন্তর্দশায় ২৯/০৮/২০২৮ শেষ হবে। তারপর চন্দ্র এর অন্তর্দশায় ২৯/০৬/২০৩০ শেষ হবে।

বুধের অন্তর্দশা হেতু নির্দেশিত করে যে আপনি কিছু ভাল ফল পাবেন কারণ আপনার কিছু উচ্চাকাংক্ষিত পরিকল্পনা বাস্তবায়িত হবে। ব্যবসায় আপনি খুব ভাল ফল পাবেন। বর্তমান ব্যবসায় বৃদ্ধি অথবা নতুন কিছু শুরু করা অসম্ভব নয়। চাকুরীরত হলে আপনার বেশ ভাল উন্নতি হবে এবং কোনও পদোন্নতি অথবা উন্নতির জন্য কর্মে পরিবর্তন হবে। পরিবারে কোন পবিত্র অনুষ্ঠান অনুষ্ঠিত হওয়া সম্ভব। এটি বিবাহ অথবা শিশুর জন্ম হতে পারে। আপনার সামাজিক ভাবমূর্তিতে উন্নতি হবে।

কেতুর অন্তর্দশায় প্রথম পর্ব যথেষ্ট উৎসাহব্যঞ্জক। কিছুকিছু উদ্যোগ আপনার অনুকূলেই যাবে। ব্যবসায় সাফল্য পাবেন। নতুন প্রকল্পে বিনিয়োগ বা বর্তমান উদ্যোগ বৃদ্ধি পাবে। চাকুরীর ক্ষেত্রে আপনার পরিবেশের উন্নতি হবে। কিন্তু দ্বিতীয় পর্বে আশানুরূপ নাও হতে পারে। শরীরের প্রতি যত্নবান হওয়া আবশ্যিক। কারণ এই সময় যথেষ্ট অনুকূল নয়। পরিবারে শান্তি বিদ্যিত হতে পারে। পরিবারের সদস্যদের সঙ্গে তিক্ততা আসতে পারে। ঝুঁকি নেওয়ার চিন্তা মাথায় আনবেন না।

সূর্যের অন্তর্দর্শা সূচিত করে আপনার উদ্বুদ্ধ অনুভূতিবোধ নতুন দিশার জন্য অনুপ্রাণিত করবে। আপনার কিছু অসমাপ্ত কাজ এই সময়ে সমাপ্ত হবে। আর্থিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনার কবিতা, কাব্য ও সাহিত্যের প্রতি অনুরাগ আরও বৃদ্ধি পাবে। আপনি যদি এসবের মধ্যে জড়িত থাকেন তাহলে উল্লেখযোগ্য ভাবে ভাল ফল আশা করতে পারেন। আপনার সুখ্যাতি ও শ্রদ্ধা বেড়ে যাবে। পারিবারিক অবস্থা খুবই শান্তিপূর্ণ হবে ও প্রত্যেকেই একে অপরের প্রতি সহানুভূতিশীল হবে। আপনি বিপরীত লিঙ্গের প্রতি আকৃষ্ট থাকবেন। আপনার বন্ধুবান্ধব ও মঙ্গল-কামনাকারীরা তাদের সবরকম সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবে। আপনার প্রতিপক্ষের আপনাকে অপদম্ভ করার অপচেষ্টা ব্যর্থ হবে।



ফলাদেশ - 2029

বৃহস্পতি দশম স্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার পক্ষে অত্যন্ত ফলদায়ক কিন্তু অন্যান্য গ্রহের কুপ্রভাবের ফলে আপনি কিছু কিছু ক্ষেত্রে বিরূপ ফল লাভ করতে পারেন। কর্মরত মহিলারা কর্মক্ষেত্রে এবং ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে আশানুরূপ সাফল্য পাবেন এবং আপনি প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শে এসে উপকৃত হবেন। নানা দিক থেকে অর্থপ্রাপ্তির ফলে আপনার অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি হবে। কর্মব্যস্ততার দরুন আপনি বিশ্রামের সুযোগ পাবেন না। আপনার গৃহ পরিবেশে শান্তি বজায় থাকবে।

শনি পঞ্চমস্থান অতিক্রম করার ফলে আপনার দৈহিক ও মানসিক অবস্থা মধ্যমরকম থাকবে। আপনি পরিশ্রম ও আত্মপ্রত্যয় দ্বারা সমস্ত কাজ সম্পন্ন করবেন। আপনি সমাজে সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি লাভ করবেন। উপার্জন বৃদ্ধি পাওয়ার ফলে আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। সন্তানদের কাছ থেকে আপনি সম্পূর্ণ সহযোগিতা পাবেন। আপনার জীবনসংগিনীর শারীরিক দিক থেকে সুস্থতা বজায় থাকবে না এবং আপনার বিবাহিত জীবন সাধারণ মানের হবে। আপনি নানা ধরনের বাধাবিপত্তির সম্মুখীন হবেন। কিন্তু কঠোর পরিশ্রমের দ্বারা আপনি তা কাটিয়ে উঠতে পারবেন। আপনি প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শ লাভবান হবেন।

রাহু প্রথমস্থানে অবস্থান হেতু এই বছরটি আপনার সাধারণ ভাবে কাটবে। এই সময়ে আপনি দৈহিক ও মানসিক দিক থেকে অসুস্থ হয়ে পড়তে পারেন। আপনার স্ত্রীর সঙ্গে সুসম্পর্ক বজায় থাকবে না। কঠোর পরিশ্রম ও আত্মপ্রত্যয়ের দ্বারা আপনি প্রচুর অর্থোপার্জনের ফলে আপনার অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনাকে সাফল্য পেতে হলে যথেষ্ট পরিশ্রম করতে হবে। আপনি নতুন বন্ধুবান্ধবের সংস্পর্শ লাভ করবেন যাদের দ্বারা ভবিষ্যতে উপকৃত হতে পারেন।

মহাদশা এবং অন্তর্দশা স্বামী প্রথম ভাবে ধনু রাশিতে স্থিত।

ফলাদেশ - 2030

বৃহস্পতি একাদশ স্থান অতিক্রম এবং অন্যান্য গ্রহ ও দশার সুপ্রভাবের ফলে এই বছরটি আপনার উন্নতির পক্ষে অত্যন্ত সহায়ক। কর্মক্ষেত্রে আপনি আশানুরূপ সাফল্য লাভ করবেন এবং কোন গুরুত্বপূর্ণ পদে পদোন্নতির সুযোগ আসবে। কর্মব্যস্ততার মধ্য দিয়েও আপনি সুখী জীবন কাটাবেন। আপনার সামাজিক মর্যাদা বৃদ্ধি পাবে এবং আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনি জ্যোতিষশাস্ত্র বিষয়ে আগ্রহী হবেন।

এই বছর শনি ষষ্ঠস্থান অতিক্রম করার ফলে এই সময়টি আপনার পক্ষে অত্যন্ত শুভ। এই সময়কালীন ভ্রমণ আপনার ব্যবসা বা কর্মক্ষেত্রে অত্যন্ত লাভদায়ক। অর্থনৈতিক দিক থেকে আপনার অবস্থার উন্নতি ঘটবে। শত্রুপক্ষ আপনার ক্ষতিসাধনে ব্যর্থ হবে। এই বছর আপনি প্রতিযোগিতামূলক পরীক্ষায় সাফল্য লাভ করবেন। আপনার সামাজিক মর্যাদা বৃদ্ধি পাবে।

রাহু দ্বাদশস্থান এবং কেতু ষষ্ঠস্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছর আপনার পক্ষে সাধারণভাবে শুভ। এই সময় আপনি দৈহিক ও মানসিক উভয় দিক থেকে সুস্থ থাকবেন। আপনার বিদেশ যাত্রার যোগাযোগ হতে পারে ফলে আর্থিক ব্যয়ের সম্ভাবনা আছে। আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। কেতুর প্রভাবে আপনি শত্রুদমনে সক্ষম হবেন। আপনার সামাজিক মর্যাদা বৃদ্ধি পাবে।

চন্দ্র রের মহাদশাতে চন্দ্র অন্তর্দর্শা ২৯/০৬/২০৩০ তে শেষ হবে। তার পর মঙ্গল রের অন্তর্দর্শা আরম্ভ হবে। এই দুই অন্তর্দর্শার স্বামী গ্রহ একই ভাবে এবং রাশিতে স্থিত আছে।

সূর্যের অন্তর্দর্শা সূচিত করে আপনার উদ্বুদ্ধ অনুভূতিবোধ নতুন দিশার জন্য অনুপ্রাণিত করবে। আপনার কিছু অসমাপ্ত কাজ এই সময়ে সমাপ্ত হবে। আর্থিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনার কবিতা, কাব্য ও সাহিত্যের প্রতি অনুরাগ আরও বৃদ্ধি পাবে। আপনি যদি এসবের মধ্যে জড়িত থাকেন তাহলে উল্লেখযোগ্য ভাবে ভাল ফল আশা করতে পারেন। আপনার সুখ্যাতি ও শ্রদ্ধা বেড়ে যাবে। পারিবারিক অবস্থা খুবই শান্তিপূর্ণ হবে ও প্রত্যেকেই একে অপরের প্রতি সহানুভূতিশীল হবে। আপনি বিপরীত লিঙ্গের প্রতি আকৃষ্ট থাকবেন। আপনার বন্ধুবান্ধব ও মঙ্গল-কামনাকারীরা তাদের সবরকম সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবে। আপনার প্রতিপক্ষের আপনাকে অপদস্থ করার অপচেষ্টা ব্যর্থ হবে।

মঙ্গলের এই অন্তর্দর্শায় বহু সুফল পাবেন। প্রচন্ড উৎসাহ এবং সাহসের সাথে কাজকর্ম করবেন। কিছু জমে থাকা কাজ সম্পন্ন হবে। আর্থিক ভাবেও যথেষ্ট ভাল ফল করবেন। আয় বৃদ্ধি হবে। একক ব্যবসায়ী হিসাবে বর্তমান কাজে যথেষ্ট উন্নতি করবেন। কোন নতুন ব্যবসার সূত্রপাত হতে পারে। চাকুরীজীবীরা পদোন্নতি আশা করতে পারেন। শত্রুরা পরাভূত হবে। বন্ধুদের সহায়তা পাবেন। ক্রমাগত যশ বৃদ্ধি হবে। ঘরের কাজে যথেষ্ট ব্যয় করবেন। পরিবারের কোন সদস্যের স্বাস্থ্য খারাপ যাবে। তবে এই নিয়ে চিন্তা করা নিষ্প্রয়োজন।

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- রবি
(29/08/2023 - 29/08/2029)

সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ এবং তার ৬ বছর পরে ২৯/০৮/২০২৯ সমাপ্ত হবে। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সূর্য তৃতীয় ভাবে স্থিত আছে। সূর্য গ্রহ সাহস, শক্তি, আত্মবিশ্বাস, সামর্থ্য ও প্রভুত্ব সূচনা করে, কিন্তু তৃতীয় ভাব ওজস্বিতা, শক্তি, নিকট যাত্রা ও মানসিক অভিরুচির প্রতিনিধিত্ব করে। এই দশা কালে আপনি সুখ সম্পত্তি, ভালো স্বাস্থ্য এবং লাভদায়ক রোজগারের সুযোগ প্রাপ্ত করবেন।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার স্বাস্থ্য ভালো থাকবে। আপনি নিজের কার্য সম্পাদন পূর্ণ ওজস্বিতা এবং শক্তি দ্বারা করবেন। আপনার জীবনী শক্তি অতি উত্তম হবে এবং আপনি অত্যন্ত প্রসন্নচিত্ত ও আশাবাদী থাকতে সমর্থ হবেন।

কিন্তু, শুভ দশার সর্বোত্তম লাভ প্রাপ্ত করার জন্য আপনার অতি আগ্রহ ও ক্রিয়াশীলতা পরিহার করা উচিত। স্বাস্থ্য সম্বন্ধীয় কিছু সাধারণ সমস্যায় আপনি ভুগতে পারেন।

অর্থ :

আপনি আত্মীয় পরিজন এবং প্রতিবেশীদের কাজ থেকে লাভ পাবেন। আপনি নিকট যাত্রা এবং যাতায়াতের সমস্ত লাভ প্রাপ্ত করবেন। এই দশায় করা যে কোনো কাজ-কর্ম লেখা-পড়া করে করা বা ক্রয়-বিক্রয় ব্যবসা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। এই দশা আপনার জন্য আর্থিক দিক থেকে অত্যন্ত সফল প্রমাণিত হবে।

ব্যবসায় :

চাকুরীরত ব্যক্তির এই দশায় অত্যন্ত শুভ ফল প্রাপ্ত করবেন। কার্যক্ষেত্রে আপনার স্থিতি উত্তম হবে। আপনি উচ্চপদাধিকারীদের অনুগ্রহ প্রাপ্ত করবেন এবং আপনার পদোন্নতি হওয়ার সম্ভাবনা আছে। আপনি আপনার ব্যবসায় বা কর্ম ক্ষেত্রে অত্যধিক লাভ পাবেন। ব্যবসায় যুক্ত ব্যক্তির নিজের অংশীদার ও প্রতিদ্বন্দীদের সঙ্গে লেন-দেন করার সময় সাবধানতা অবলম্বন করুন। কর্ম সম্বন্ধীয় বা জীবন বৃত্তি সম্বন্ধীয় নিকট যাত্রাকালে কিছু বাধা বা অসুবিধার সৃষ্টি হতে পারে। আপনার সম-সাময়িক ও সহযোগী কর্মচারীরা আপনাকে আপনার কাজে সাহায্য করবেন। ব্যবসায় উন্নতি ও প্রগতির জন্য এই দশা অতি উত্তম হবে। যদি আপনি কমিশন এজেন্ট বা কোনো রকম দালালীর কাজ করেন তাহলে এই দশা আপনার জন্য শুভকারক।

কুটুম্ব :

আপনার সন্তানদের জন্য এই দশা অত্যন্ত শুভ ও আর্থিক দৃষ্টি থেকে এই দশা সফল সিদ্ধ হবে। আপনার পত্নী ভাগ্যশালিনী হবেন, তিনি কোনো সুদূর যাত্রার অবসর পাবেন, আধ্যাত্মিকতায় তাঁর রুচি বাড়বে। এ ছাড়া তিনি প্রভুত্ব ধন প্রাপ্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। আপনার মাতার অর্থ প্রাপ্তি ঘটলেও তাঁর অত্যধিক অর্থ ব্যয় হওয়ার সম্ভাবনা আছে। ধার্মিক এবং দান-পুণ্যের কার্যে ব্যয়ের সম্ভাবনা আছে। আপনার পিতা সর্বরকম সুখ-সুবিধা প্রাপ্ত করবেন এবং অংশীদারীর কাজেও লাভ পাবেন। আপনার বড় ভাই

ও বোনেদের জন্য এই সময় অনুকূল থাকবে এবং তাঁরা আধ্যাত্মিক এবং বৌদ্ধিক কার্যে রুচি দেখাবেন।

শিক্ষা :

আপনি বাদ-প্রতিবাদ প্রতিযোগিতা, সাংবাদিকতা ও ক্রয়-বিক্রয় সংক্রান্ত বিষয়ে খুব ভালো করবেন। ভৌতিক শাস্ত্র, বিজ্ঞান চর্চা এবং বৈদ্যুতিক বিষয় সংক্রান্ত বিষয়ে শিক্ষা-দীক্ষা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনি একজন অত্যন্ত ভালো খেলোয়াড় হবেন ও বহিরাঙ্গন বিষয়ক গতিবিধিতে শ্রেষ্ঠত্ব অর্জন করবেন।

আপনি বেদান্ত এবং অন্যান্য বৈদিক সাহিত্য শিক্ষা ও চর্চা করবেন। আপনি সংস্কৃতি ভাষা অধ্যয়ন করতে পারেন। যান্ত্রিক বিদ্যা সম্বন্ধীয় বিষয় আপনার জন্য লাভদায়ক প্রতিপন্ন হবে।

পরামর্শ :

শুভ ফল বৃদ্ধির জন্য ভগবান শিবের আরাধনা করুন।



অন্তর্দর্শা :- রবি - বৃহস্পতি
(16/09/2025 - 05/07/2026)

আপনার সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ প্রারম্ভ হয়েছিল। এই মহাদশায় বৃহস্পতির অন্তর্দর্শা ভোগ্যকাল ৯ মাস ১৮ দিন। ইহা ১৬/০৯/২০২৫ আরম্ভ হয়ে ০৫/০৭/২০২৬ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি বৃহস্পতি ধন, সন্তান ও ধর্মের কারক।

এই দশায় আপনি অর্থ, প্রসিদ্ধি ও সম্মান লাভ করবেন। আপনি ফাটকাবাজী ও পূর্ব বিনিবেশ থেকে অর্থোপার্জন করবেন। সন্তানদের থেকে সুখ প্রাপ্ত করবেন। কোনো শিশুর জন্ম হতে পারে। আপনার মধ্যে সৃজনাত্মক ক্ষমতা বৃদ্ধি পাবে। আপনার মন পুরাণ অধ্যয়ন ও ধর্মচারণে নিরত হবে। ভাইয়েদের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ খুবই ভালো থাকবে। আপনার লাভজনক ভ্রমণ হতে পারে। আপনার জীবনের প্রতি দৃষ্টিকোণ বিস্তৃত হবে।

জীবনসংগী ফাটকা, বিনিবেশ থেকে লাভ পাবেন তিনি সন্তান সুখ ভোগ করবেন। আপনার পিতা লেখনীর দ্বারা, প্রতিবেশী ও সাধারণ পরিচিতদের থেকে লাভ প্রাপ্ত করবেন। আপনার মাতার আধ্যাত্মিকতায় রুচি বৃদ্ধি হবে ও তিনি ধন লাভ করবেন। আপনার ভাই-বোনদের অর্থ লাভ সুদূর যাত্রা এবং পরিবারের সকলের সঙ্গে সুসম্বন্ধ স্থাপিত হবে। আপনার সন্তানরা শিক্ষায় উন্নতি করবে। সন্তানদের মধ্যে কোনো একজনের বিবাহ হওয়া সম্ভব। সন্তানদের জীবিকায় প্রভূত উন্নতি যোগ বিদ্যমান।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে উন্নতির জন্য কিছু প্রতিযোগিতার সম্মুখীন হতে হবে। পরামর্শদাতারা প্রচুর অর্থোপার্জন করবেন। ব্যবসায়ীরা সফল ও ব্যস্ত থাকবেন।

কান ও পেটের রোগ হতে পারে। শুব্রত্ব বৃদ্ধির জন্য হলুদ বস্তুর দান করুন।

অন্তর্দর্শা :- রবি - শনি
(05/07/2026 - 17/06/2027)

বর্তমানে আপনার সূর্যের মহাদশা বিদ্যমান। এই মহাদশার ষষ্ঠ অন্তর্দর্শা শনি গ্রহের, এই অন্তর্দর্শাবধি কাল ১১ মাস ১২ দিন। আপনার জন্য ০৫/০৭/২০২৬ আরম্ভ ও ১৭/০৬/২০২৭ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি শনি আয়ু সন্ধ্যাস ও দার্শনিক স্বভাবের কারক গ্রহ।

আপনি শত্রুদের বিনাশ করায় সফল হবেন। বিরোধী ও অসুস্থতার সঙ্গে লড়ার শক্তি আপনার মধ্যে বিদ্যমান থাকবে আপনার বিবাহ হতে পারে। ছোট ভাই বোনদের থেকে খুশী লাভ করবেন। আপনি কোনো সংস্থা বা বিভাগের অধ্যক্ষ পদ প্রাপ্ত করতে পারেন। যদি সরকারী চাকুরীতে নিরত থাকেন তাহলে সফল হবেন।

জীবনসংগীর ধন লাভ হতে পারে। অচল সম্পত্তি ক্রয় করতে পারে। আপনার পিতা অর্থ বিনিবেশ থেকে লাভ পাবেন। আপনার মাতার জমি-জায়গা সংক্রান্ত বিষয় থেকে লাভ হবে ও তিনি তীর্থ যাত্রায় যেতে পারেন। আপনার ভাই-বোনের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ খুবই ভালো হবে। তারা সুপ্রাপ্তি বন্ধুদের থেকে লাভ পাবেন। আপনার সন্তানরা আপনার সঙ্গে ভালো সম্বন্ধ রাখলেও বিবাদ থেকে নিজেকে বাঁচিয়ে রাখুন।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে আপনার ধন লাভ ও সৌভাগ্য বৃদ্ধির সম্ভাবনা প্রবল। পরামর্শদাতাদের অচল সম্পত্তি প্রাপ্তিতে বৃদ্ধি হবে। ব্যবসায়ীরা অত্যধিক খরচ করা থেকে সাবধান থাকুন।

স্নায়ুতন্ত্রের খেয়াল রাখুন এবং দুর্বলতা বোধ হলে সাবধান থাকুন। কণ্ঠের থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য শনি গ্রহের আরাধনা ও কালো বস্তুর দান করুন।

অন্তর্দর্শা :- রবি - বুধ (17/06/2027 - 23/04/2028)

আপনার সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশায় সপ্তম অন্তর্দর্শা বুধের, যার দশা ভোগকাল ১০ মাস ৬ দিন হবে। ইহা ১৭/০৬/২০২৭ আরম্ভ হয়ে ২৩/০৮/২০২৮ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি বুধ বুদ্ধিমত্তা, শিক্ষা, বাণী ইত্যাদির কারক।

এই দশায় আপনি ভূমি লাভ করবেন ও সুখ-স্বস্তি পাবেন। স আপনার মিত্রতা হবে ও মামারবাড়ীর লোকেদের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ মধুর হবে। আপনার বাস স্থান বদল হতে পারে। জমি-জায়গা বা পৈত্রিক ধন লাভ হতে পারে। মাতার থেকে সুখ পাবেন। জীবনসংগী তার পরিবার থেকে সম্পত্তি লাভ করবেন। শত্রুদের উপর বিজয় লাভ করবেন। কর্মস্থলে লাভজনক পরিবর্তন হতে পারে। সংস্থা-সংগঠন, ব্যবসায়, বিজ্ঞান বা সন্চার মাধ্যম থেকে লাভ প্রাপ্তি হবে। আপনি উচ্চপদ প্রাপ্ত করবেন।

জীবনসংগী বা ব্যবসার অংশীদারের ধন ও সুনাম প্রাপ্ত হবে। আপনার পিতা উপহার ইত্যাদি দ্বারা বিনা পরিশ্রমে ধন লাভ করতে পারেন। আধ্যাত্মিকতায় তাঁর আগ্রহ বৃদ্ধি হতে পারে। আপনার মাতার বর্তমান সময় সৌভাগ্যবর্দ্ধক। তাঁর সাথে আপনার সম্বন্ধ মধুর হবে। ছোটো ভাই-বোন ধনার্জন করবে, বড় ভাই-বোনের জীবন স্তর অপরিবর্তিত থাকবে। আপনার সন্তান প্রতিযোগিতায় সফল হবে ও তার কাজে কোনো বাধা আসবে না।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে বেতন বৃদ্ধি হবে। পরামর্শদাতাদের বর্তমান সময় সর্বোত্তম হবে। ব্যবসায়ীদের কঠিন পরিশ্রম করতে হবে।

হৃদয় ও স্নায়ুতন্ত্রের রোগ থেকে সাবধান থাকুন। অনিষ্ট থেকে বাঁচার জন্যে দেবী দুর্গার আরাধনা করুন।

অন্তর্দর্শা :- রবি - কেতু (23/04/2028 - 29/08/2028)

আপনার সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এর মধ্যে অষ্টম অন্তর্দর্শা কেতুর, যা ৪ মাস ও ৬ দিন অবধি থাকবে। এই দশা ২৩/০৮/২০২৮ আরম্ভ হবে ও ২৯/০৮/২০২৮ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি কেতু সন্ধ্যাস, মন্ত্র জ্ঞান ও কণ্ঠের কারক গ্রহ।

এই দশায় আপনার পারিবারিক জীবন সুখী হবে। আপনার ধন সঞ্চিত হবে ও সব রকম সুবিধা উপভোগ করবেন। অর্থের লেন-দেন করার সময় সাবধান থাকুন, কারন কিছু লোকসান হতে পারে। আপনি সতর্কতার সঙ্গে কাজ করলে শত্রুদের উপর বিজয় লাভ করবেন। আপনি অপ্রত্যাশিত ধন লাভ করতে



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

মহাদশা :- চন্দ্র
(29/08/2029 - 29/08/2039)

আপনার কুন্ডলীতে চন্দ্রের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হবে এবং ১০ বছর পরে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুন্ডলীতে চন্দ্র প্রথম ভাবে অবস্থিত থাকায় আপনার জন্ম লগ্নকে শক্তি প্রদান করছে, যা আপনার শারীরিক গঠন, জীবন-শক্তি, তেজস্বিতা, সমৃদ্ধি এবং দীর্ঘায়ুর প্রতিনিধিত্ব করে। আগামী ১০ বছর অবধি আপনি সন্তুষ্টির সাথে-সাথে শান্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন যা এই দশাবধি কালে আপনাকে পরিপূর্ণ সুখ দেবে।

স্বাস্থ্য :

চন্দ্র লগ্নে অবস্থিত, যা জ্যোতিষ মতে কেন্দ্র ও ত্রিকোণ স্থান। এই স্থিতি সুখী ও সুস্বাস্থ্য সুনিশ্চিত করে। এই দশা কালে কোনো সাংঘাতিক রোগ বা দুর্ঘটনা ঘটার সম্ভাবনা নেই। আপনি নিজেকে অত্যন্ত শক্তিশালী অনুভব করবেন এবং দৈনিক কার্যে সুষ্ঠুভাবে সম্পাদন করতে সমর্থ হবেন। আপনি শারীরিক ভাবে সুন্দর, স্বভাবে ভাবুক, কৌতুহলী, ব্যগ্র ও অধৈর্য্য হবেন।

ধন সম্পত্তি :

আপনার মস্তিষ্ক ও বুদ্ধি ধনোপার্জনের প্রতি অত্যন্ত প্রবল হবে। যেহেতু দশমেশ চন্দ্র মস্তিষ্কের কারক গ্রহ। আপনি নিজের ধন-সম্পত্তি বৃদ্ধি করবেন। আপনার অর্থ সঞ্চয় ও সম্পত্তি বৃদ্ধি হওয়ার প্রবল সম্ভাবনা আছে।

ব্যবসায় :

চন্দ্রের এই দশায় আপনার অবস্থা ও কার্য আপনাকে সন্তুষ্টি প্রদান করবে। যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে উন্নতির সম্ভাবনা প্রবল। যদি ব্যবসায়ী হন তাহলে ব্যবসা-বিস্তার এবং নতুন কার্য সম্পাদনে সমর্থ হবেন। আপনার মাথায় নতুন ও রচনাত্মক চিন্তা আসবে যার দ্বারা সহকর্মী ও উচ্চাধিকারীর প্রশংসা লাভ করবেন। চন্দ্রদশার কারণে আপনার ব্যবসায় সুদৃঢ় স্থিতি পাওয়ায় এবং আপনার ন্যায্যপ্রিয়তা ও ব্যবহার আপনাকে প্রসিদ্ধি দান করবে। আপনি এমন কোনো ব্যবসা শুরু করতে পারেন যা নিয়মিত উপর-নীচ হওয়ার সম্ভাবনা যুক্ত হবে। আপনি একজন সতর্ক ব্যক্তি এবং বিশেষাধিকার প্রাপ্ত করতে ইচ্ছুক থাকবেন।

পারিবারিক জীবন :

সপ্তম ভাব, যা পারিবারিক জীবন ও অংশীদারী ব্যবসার দ্যোতক, সপ্তমে চন্দ্রের দৃষ্টি হওয়ার কারণে আপনার অংশীদারী ব্যবসা এবং পারিবারিক জীবন অতি উত্তম হবে।

আপনার জীবনসাথী আপনাকে পূর্ণ সহযোগিতা প্রদান করবে এবং তিনি সুন্দর হবেন। আপনার মাতা আপনাকে পারিবারিক জীবনে সাহায্য করবেন এবং আপনার সন্তানরাও আপনার আঙা পালনকারী হবে। আপনার পিতা আপনার ব্যবসায় সহায়তা করবে যা আপনার আত্মবিশ্বাস বাড়াবে।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

৩০ বছর বয়সের পরে আপনি উচ্চশিক্ষার প্রতি এবং ধার্মিক গ্রন্থ অধ্যয়নে সচেষ্ট হবেন।
যদি আপনি শিক্ষাকে নিজের জীবনযাপনের বৃত্তি হিসাবে গ্রহণ করেন এবং শিক্ষা-দীক্ষার সঙ্গে যুক্ত থাকেন
তাহলে সফলতা প্রাপ্ত করবেন।



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

অন্তর্দর্শা :- চন্দ্র - চন্দ্র
(29/08/2029 - 29/06/2030)

চন্দ্রের মহাদশা কাল ১০ বর্ষের। আপনার জন্য এই দশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় চন্দ্রের অন্তর্দর্শাবধি কাল ১০ মাসের। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ এবং ২৯/০৬/২০৩০ সমাপ্ত হবে।

চন্দ্র আপনার জন্মপত্রিকায় লগ্নে স্থিত। লগ্ন শারীরিক গঠন, আকৃতি, স্বাস্থ্য, জন্মজাত স্বভাব অ অভ্যাস, সম্মান, গরিমা, সামান্য শূভত্ব, শরীরের উপরী ভাগ, আয়ু ও জীবনের রূপরেখা ইত্যাদির পরিচায়ক।

লগ্নে চন্দ্র স্থিত হওয়ার ফলে আপনি সুন্দর হবেন। এই সময়ে আপনার পারিবারিক ও সাংসারিক সুখ ও মাতার সান্নিধ্য প্রাপ্ত করবেন। আপনার পত্নী সুন্দর হবেন। বিপরীত লিঙ্গের ব্যক্তি আপনার প্রতি আকর্ষিত হবে। তাদের সাথে আপনার প্রগাঢ় সম্বন্ধ স্থাপিত হতে পারে। আপনার মূড সময়-সময়ে বদলাতে পারে। ক্রোধের বশে কোনো কাজ করবেন না, ধৈর্য ধারণ করুন। উত্তম আয় ও পদ লাভ হবে।

অন্তর্দর্শা :- চন্দ্র - মঙ্গল
(29/06/2030 - 28/01/2031)

চন্দ্রের মহাদশা ১০ বছরের হয়। আপনার এই দশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় মঙ্গলের অন্তর্দর্শা ভোগকাল ৭ মাস পর্যন্ত। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২৯/০৬/২০৩০ আরম্ভ এবং ২৮/০১/২০৩১ সমাপ্ত হবে।

মঙ্গল আপনার জন্মপত্রিকায় লগ্নে অবস্থিত আছে। লগ্ন ভাব শারীরিক গঠন, আকৃতি, স্বাস্থ্য, জন্মজাত স্বভাব ও অভ্যাস, সম্মান, গরিমা, সামান্য শূভত্ব, শরীরের উপরী ভাগ, আয়ু ও জীবনের রূপরেখা ইত্যাদির পরিচায়ক। লগ্নে স্থিত হয়ে মঙ্গল জন্মপত্রিকার ৪, ৭, ৮ ভাবের উপর দৃষ্টিপাত করছে। মঙ্গল উৎসাহ, উদ্দীপনা ও সাহসিকতার কারক এবং অগ্নিতত্ত্ব প্রধান গ্রহ।

এই দশাবধি কালে আপনি সাহসী, উচ্চাকাংক্ষী ও হঠকারী হবেন। দুর্ঘটনা থেকে বাঁচার জন্য সাবধান থাকুন। সাংসারিক জীবন আপনার নিজের ক্রোধের কারণে বিনষ্ট হতে পারে। আপনি মাস্তলিক, অতএব আপনার জীবনসংগী ও মাস্তলিক হলে শূভফল প্রদায়ক হবে।

এই দশাবধি কালে আপনি প্রভূত সম্পত্তি প্রাপ্ত করায় সমর্থ হবেন। শূভত্ব বৃদ্ধির জন্য ১১০০০ বার মঙ্গলের বৈদিক মন্ত্র জপ করুন।